माघ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 227 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
12 फरवरी 2025 बुधवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
15 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

बाजार में हाहाकार, साढ़े 6 लाख करोड़ रुपए स्वाहा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर मार्केट आज भी लगातार छठे दिन गिरावट के साथ खुला है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में भारी गिरावट देखी जा रही है। रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे बड़े शेयरों में गिरावट ने बाजार को नीचे खींच लिया है। अमेरिकी टैरिफ और कंपनियों के

मुनाफे को लेकर चिंता भी बाजार पर हावी नजर आ रही है। सुबह ही बीएसई सेंसेक्स 837.83 अंक यानी 1.10त्न की गिरावट के साथ 75,455.77 अंक पर कारोबार कर रहा था तो निफ्टी भी 241.50 अंक यानी 1.05त्न गिरकर 22,830.30 अंक पर आ चुका था। इस गिरावट से बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 6.5 लाख करोड़ रुपये घटकर 402.02 लाख करोड़ रुपये रह गया।

तेजस की डिलीवरी में विलंब पर भड़के वायुसेना चीफ

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह लड़ाकू विमान तेजस बनाने वाली कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स पर डिलीवरी में दरी पर भड़क गए हैं। सिंह ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें एचएएल पर भरोसा नहीं है. इसका एक वीडियो भी सामने आया है। दरअसल खबरों के मुताबिक उन्होंने एयरो इंडिया शो के दौरान एयरक्राफ्ट का निरीक्षण करते हुए एचएएल के अधिकारियों से कहा कि उन्हें कंपनी पर फिलहाल कोई भरोसा नहीं है वीडियो में वह कह रहे हैं कि मैं आपको सिर्फ ये बता सकता हूं कि हमारी जरूरतें और चिंताए क्या हैं। आपको हमें विश्वास दिलाना होगा,हर कोई कह रहा है कि हो जाएगा, करेंगे लेकिन चीजें मिशन मोड में नहीं लग रही हैं। सिंह ने कहा कि मुझसे वादा किया गया था कि जब मैं फरवरी में यहां आऊंगा तो हमें 11 विमान मिलेंगे लेकिन अभी तक एक भी तैयार नहीं है।

अफसरों से बोले- एचएएल पर भरोसा नहीं

बांग्लादेश कंगाली की कगार पर, अब तेल के लिए मारामारी

नई दिल्ली। आंतकिर उथलपुथल के बीच अब बांग्लादेश कंगाल होने की कगार पर आ रहा है। यहां रमजान से पहले ही कई जरूरी चीजों की किल्लत शुरू हो गई है। लोगों को फूड ऑयल यानि खाने का तेल नहीं मिल रहा है। स्थिति यह है कि खाने के तेल की कीमतें आसमान छूने लगी हैं। हालांकि बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार का कहना है कि यह परेशानी अस्थायी है। इसका समाधान जल्द कर लिया जाएगा। बांग्लादेश में जब से मोहम्मद यूनुस ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में पद संभाला है, स्थिति और गंभीर है। पिछले साल बांग्लादेश में संकट के बाद शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद व देश छोड़ दिया था। इधर ऑयल इंडस्ट्री का कहना है कि आपूर्ति संबंधी चिंताओं के बीच खाद्य तेल की कीमतें बढ़ी हैं। डिस्ट्रीब्यूटर तेल की जमाखोरी कर रहे हैं और उसकी पूरी आपूर्ति नहीं कर रहे।

राम मंदिर के मुख्य पुजारी का हुआ निधन

लखनऊ। अयोध्या में रामलला मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास का 80 साल की उम्र में आज निधन हो गया। लखनऊ पीजीआई में उन्होंने आखिरी सांस ली। तीन फरवरी को ब्रेन हैमरेज के बाद उनको अयोध्या से लखनऊ रेफर किया गया था। आचार्य सत्येंद्र दास का पार्थिव शरीर अयोध्या लाया जाएगा। उनके आश्रम सत्य धाम गोपाल मंदिर में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। वे 32 साल से रामजन्मभूमि में बतौर मुख्य पुजारी सेवा दे रहे थे। 6 दिसंबर, 1992 को बाबरी विध्वंस के समय वे रामलला को गोद में लेकर भागे थे।

महाकाल तक पहुंचने नया प्रवेश द्वार 15 से

उज्जैन। दो दिन बाद पंद्रह फरवरी से महाकाल मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक नया प्रवेश द्वार खुल जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव 25 करोड़ की लागत से रूद्र सागर पर बने ब्रिज का लोकार्पण करेंगे। जिसके बाद श्रद्धालु शक्ति पथ से सीधे महाकाल मंदिर पहुंच सकेंगे। इससे चारधाम मंदिर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए करीब डेढ़ किमी की दूरी कम हो जाएगी।

उज्जैन स्मार्ट सिटी कंपनी द्वारा ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर के पीछे वाले हिस्से में रूद्र सागर के ऊपर शक्ति पथ से मानसरोवर जाने के लिए करीब ढाई वर्ष पहले मई-2022 में ब्रिज का काम शुरू किया गया था। ब्रिज 200 मीटर लंबा और सात मीटर चौड़ा है। ब्रिज के मध्य 19 मीटर चौड़ी जगह है। ब्रिज का निर्माण 2023 नवंबर से पहले होना तय था, लेकिन करीब डेढ़ वर्ष देरी से इसका काम पूरा हो पाया है।

शीर्ष समिति की सीएम ने खुद संभाली कमान, मंत्रियों को भी जिम्मेदारी

जीआईएस: सरकार ने झोंकी ताकत दिल्ली से काउंटडाउन की शुरुआत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट यानि जीआईएस के लिए सरकार ने पूरी ताकत झोंक रखी है। दो दर्जन महकमों के अफसर इसमें जुटे हैं। इसके लिये शीर्ष समिति का भी गठन किया हैं। जिसके अध्यक्ष खुद सीएम मोहन यादव हैं, जबकि दोनों डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, राजेंद्र शुक्ल भी समिति में शामिल हैं।

इधर मुख्यमंत्री मोहन यादव आज नई दिल्ली पहुंचे हैं, जहां ताज मानसिंग होटल में इंवेस्ट एमपी जीआईएस-2025 के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम में देश-विदेश के निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिये आमंत्रित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री देर शाम तक निवेशकों से वन- टू वन मीटिंग और इंटरैक्टिव राउंडटेबल कर आगामी ग्लोबल समिट के नवाचारों से अवगत करायेंगे। पहली राउंड टेबल मीटिंग में टेलीकॉम कंपनियों के प्रतिनिधि और दूसरी राउंडटेबल मीटिंग में विभिन्न देशों के राजदूत शामिल होंगे। इसमें निवेश और साझेदारी की नई संभावनाओं पर चर्चा होगी। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत चेयरमैन सीआईआई नॉर्दर्न रीजन एवं डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर जेके सीमेंट माधवकृष्ण सिंघानिया के स्वागत संबोधन से होगी।

दिल्ली में कर्टेन रेज़र कार्यक्रम में देश-विदेश के निवेशकों व राजदूतों से रूबरू

जीआईएस-2025 पर विशेष कर्टेन रेज़र वीडियो की प्रस्तुति दी जाएगी, जो ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की प्रमुख झलकियों को दर्शाएगा।आज दिल्ली में मुख्य सचिव अनुराग जैन और प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेंद्र कुमार सिंह द्वारा राज्य सरकार की औद्योगिक नीतियों और निवेश के अवसरों की जानकारी देकर शामिल होने वाले उद्योग जगत के प्रतिष्ठित प्रतिनिधि अपने अनुभव साझा करेंगे।

सरकार ने निवेशकों के लिए नई रियायतों का ऐलान किया

- पंप स्टोरेज नीति के तहत दिन में सोलर से बिजली पैदा की जाएगी और उसकी मदद से डाउन स्ट्रीम का पानी स्टोर कर जब रात में बिजली की मांग बढ़ेगी तब हाइड्रो प्लांट के जरिए बिजली का उत्पादन किया जाएगा।
- नीतियों में अब 25 की जगह 15 अनुमति लेनी होंगी। इसके लिए उद्योग संवर्धन नीति में बदलाव। 10 उप नीतियों को भी बदला।
- लोकसेवा गांरटी के तहत 10 दिन में देनी होंगी अनुमतियां। सरकार ने अनुमतियों के लिए सिंगल विंडो से एक कदम आगे बढ़कर लोकसेवा गारंटी से जोड़ा।
- निजी जमीन पर बनेंगे इंडस्ट्रियल पार्क। प्रत्येक शहरों को घरेलू गैस की पाइप लाइन विछाने के लिए अतिरिक्त् जगह छोड़नी होंगी।

राष्ट्रपति 26 को आएंगी बागेश्वर धाम, उनके पहले मोदी पहुंचेंगे

भोपाल। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु 26 फरवरी को बागेश्वर धाम जाएंगी। उसके पहले पीएम नरेन्द्र मोदी 23 फरवरी को बागेश्वर धाम में कैंसर अस्पताल की नींव रखेंगे। वह 24 फरवरी को भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट (जीआइएस) 2025 का शुभारंभ करेंगे। जबकि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 25 फरवरी को जीआईएस के समापन अवसर पर शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि मप्र में जीआईएस की तैयारियों को लेकर बड़े स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। पहले पीएम मोदी ही उक्त आयोजन में शामिल होने वाले थे।

संगम में सैलाब: वाहनों की एंट्री बंद,10 किमी पैदल श्रध्दालु

प्रयागराज, एजेंसी

महाकुंभ में आज माघ पूर्णिमा का स्नान जारी है, संगम से 10 किमी तक चारों तरफ श्रद्धालुओं की भीड़ है। प्रशासन के मुताबिक, सुबह आठ बजे तक ही 92 लाख लोग स्नान कर चुके थे और दोपहर तक यह आंकडा डेढ करोड का पहुंच रहा है। श्रद्धालुओं पर हेलिकॉप्टर से 25 क्विंटल फूल भी बरसाए गए। प्रयागराज जाने वाले रास्तों में भीषण जाम के बाद ट्रैफिक प्लान में बदलाव किया गया है। शहर में वाहनों की एंट्री बंद है। मेला क्षेत्र में भी कोई भी वाहन नहीं चल रहा है। ऐसे में श्रद्धालुओं को संगम पहुंचने के लिए 8 से 10 किमी तक पैदल चलना पड़ रहा है। प्रशासन पार्किंग से शटल बसें चला रहा है। हालांकि, यह बेहद सीमित हैं। संगम पर पैरामिलिट्री फोर्स के जवान तैनात किये गये हैं। जो लोगों को रुकने नहीं दे रहे हैं, ताकि भीड़ न बढ़ पाए। ज्यादातर लोगों को बाकी घाटों पर स्नान के लिए भेजा जा रहा है।

नहाया, खाया दिया भाजपा के नोटिस का जवाब: विज

चंडीगढ़। हरियाणा बीजेपी के सीनियर नेता और ऊर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज के तेवर नरम नहीं हो रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लेकर दिए गए बयानों को लेकर उन्हें जो नोटिस भेजा गया था, उसका विज ने जवाब दे दिया है। यह जवाब 8 पेज का बताया जा रहा है। विज ने कहा कि तीन दिन से बेंगलुरु में था. कल घर आकर नहाया, फिर खाना खाया और उसके बाद बैठकर इस चिट्ठी का जवाब दिया। मैंने समय से पहले जवाब दे दिया है। विज ने बताया कि उन्होंने इस चिट्ठी में लिखा है कि अगर और किसी बात का जवाब चाहिए तो वो भी देने को तैयार हूं। दरअसल विज ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कीं थीं, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि मुख्यमंत्री सैनी के एक दोस्त के साथ देखे गए कार्यकर्ताओं को एक निर्दलीय उम्मीदवार के साथ भी देखा गया, जिसे उन्होंने पिछले साल विधानसभा चुनावों में हराया था।

स्ट्रेस जीवन का हिस्सा, हम कैसे उसको हैंडल करें यह महत्वपूर्ण

नईदिल्ली, एजेंसी

अब दीपिका ने बच्चों को सिखाए तनाव दूर करने के गुर

बोर्ड कक्षाओं के छात्रों के साथ परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के दूसरे एपिसोड में आज एक्ट्रेस और मेंटल हेल्थ एडवोकेट दीपिका पादुकोण ने बच्चों से बात कीं। ये एपिसोड सुबह रिलीज किया गया। इस शो का प्रोमो मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन ने कल जारी किया था। दीपिका ने बताया कि वो बचपन में बहुत शरारती थीं और मैथ्स में बहुत कमजोर थीं। उन्होंने कहा, स्ट्रेस फील होना जीवन का हिस्सा है, इसे हम हैंडल कैसे करते हैं, ये मैटर करता है। दीपिका ने बच्चों को एक एक्टिविटी में शामिल किया। कागज पर अपनी स्ट्रेंथ लिखने को कहा। इससे आपको क्लैरिटी मिलती है कि हमारी ताकत क्या हैं, और हमें किन चीजों पर मेहनत करने की जरूरत है। स्टूडेंट ने दीपिका से सवाल किया- हम दबाव का सामना कैसे करें? तो दीपिका बोलीं- उन चीजों पर फोकस करें, जिन पर आपका कंट्रोल है।

मप्र में कल से सर्दी का एक और दौर

भोपाल। मप्र में कल से सर्दी का एक और दौर आ रहा है। इससे अगले दो तीन दिन तक तक पारे में गिरावट होगी। प्रदेश के 5 बड़े शहर- भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर में पारा 10 डिग्री से नीचे जा सकता है। अभी प्रदेश में रातें ज्यादा ठंडी नहीं है। सुबह और रात में ही हल्की ठंड पड़ रही है।

भोपाल में कल 15.7 डिग्री, इंदौर में 14.4 डिग्री, ग्वालियर में 11.3 डिग्री, उज्जैन में 11.5 डिग्री और जबलपुर में पारा 13.6 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, सिवनी सबसे गर्म रहा। यहां रात का तापमान 17 डिग्री तक पहुंच गया। छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम, बैतूल, खरगोन, धार और सागर में पारा 15-16 डिग्री के बीच ही रहा। उल्लेखनीय है कि पिछले दो तीन दिन से सुबह और शाम राजधानी में ठंडी हवा चल रही है।

मेट्रो एंकर

वैज्ञानिकों ने चेताया, बढ़ सकती हैं ऐसी घटनाएं

दबंग की एयर टर्बुलेंस में फंसकर हालत हुई खराब

नई दिल्ली , एजेंसी।

अभिनेता सलमान खान को यूं तो दबंग माना जाता है लेकिन एक विमान यात्रा ने उन्हें भी बुरी तरह डरा दिया। उन्होंने अब इसका अनुभव शेयर करते कहा है कि उनकी फ्लाइट में 45 मिनट तक टर्बुलेंस में फंसी रही थी। उस वक्त सभी बहुत घबरा गए थे। सलमान ने एक पॉडकास्ट में कहा कि जब वह आईफा अवॉर्ड समारोह से श्रीलंका से लौट रहे थे, जब यह घटना हुई। उस वक्त सभी हंस रहे थे, तभी अचानक फ्लाइट में झटके लगने लगे पहले तो यह नॉर्मल लगा, लेकिन फिर तेज आवाज होने लगी और पूरी फ्लाइट में खामोशी छा गई। सोहेल और मैं एक ही फ्लाइट में थे और जब मैंने उसे देखा तो वह सो रहा था। मैंने एयर होस्टेस को देखा तो वह प्रार्थना कर रही थी। तब मुझे लगा अरे बाप रे। ये क्या हो रहा है? पायलट

भी टेंशन में थे, जबकि वे आमतौर पर बहुत शांत रहते हैं। ऐसा मैंने सिर्फ फिल्मों में देखा था। उल्लेखनीय है कि बीते साल सिंगापुर एयरलाइंस के एक विमान ने तीन मिनट में हवा में 6,000 फुट का गोता लगा दिया। इससे विमान में इतनी खतरनाक हलचल हुई कि एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। एयर टर्बुलेंस कई बार जानलेवा भी साबित हुआ। दरअसल, टर्बुलेंस असल में एक अस्थिर हवा होती है जिसकी गति और भार का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। अधितकतर लोग समझते हैं कि ऐसा खराब मौसम या तूफान आदि में ही होता है। मगर, सबसे ज्यादा खतरनाक टर्बुलेंस तब होता है जब मौसम साफ हो और सामने आसमान में किसी तरह का खतरा या संकेत नजर ना आ रहा हो। साफ हवा में टर्बुलेंस अक्सर अधिक ऊंचाई पर मौजूद हवा की धाराओं में होता है, जिन्हें जेट स्ट्रीम कहते हैं। ऐसा तब होता है जब हवा की दो धाराएं एक दूसरे के आस-पास अलग-अलग रफ्तार से बहती हैं। अगर रफ्तार में अंतर बहुत ज्यादा हो तो वातावरण इसका दबाव संभाल नहीं पाता और हवा की धाराएं दो हिस्सों में बंट जाती हैं।

हर साल 68 हजार एयर टर्बुलेंस

हालांकि, एयर टर्बुलेंस का सटीक आंकड़ा तो उपलब्ध नहीं है, मगर टर्बुलेंस के कारण कितने यात्री प्रभावित हुए हैं, इसका कुछ देश अपने यहां आंकड़े जारी करते रहते हैं। जर्मनी के साइंटिफिक जर्नल स्प्रिंगर के अनुसार, हर साल करीब 68,000 एयर टर्बुलेंस की घटनाएं होती हैं। इनमें हल्के और खतरनाक दोनों तरह के टर्बुलेंस शामिल होते हैं। ज्यादातर टर्बुलेंस मौसम से जुड़े होते हैं।

जलवायु परिवर्तन से होगी बढोतरी

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन के कारण भी टर्बुलेंस के मामलों में बढ़ोतरी हो सकती है। जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स मैगजीन में छपी एक रिसर्च में कहा गया है कि साफ हवा में होने वाले टर्बुलेंस के मामले बीते दशकों में खासे बढ़ गए हैं। अपने रिसर्च में वैज्ञानिकों ने पाया कि नॉर्थ अटलांटिक विमान के रूट पर 1979 से 2020 के बीच टर्बुलेंस के मामले 55 फीसदी बढे हैं।

सर्दी का उतार-चढ़ाव बरकरार

भोपाल, दोपहर मेट्रो। इस समय सर्दी का उतार-चढ़ाव बरकरार है। फरवरी के पहले सप्ताह में मौसम का यहीं ट्रेंड दिखाई दिया है, एक बार फिर हवा की दिशा में बदलाव होने के साथ ही तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है। ऐसे में दूसरे हते में भी तापमान बढ़े हुए रहने और सर्दी से राहत की उम्मीद है।

मेंटेनेंस देने के बाद भी रहवासियों को नहीं मिल रही पर्याप्त सुविधाएं

गोकुल धाम की 1200 की आबादी एक बोरिंग पर निर्भर, 11 साल से समस्याएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मेंटेनेंस के नाम पर करोड़ों रुपए लेने के बाद भी गोकुलधाम में रहवासियों को पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल रही है। कॉलोनी के बने 11 साल होने के बाद भी सड़कें, पार्क, कम्युनिटी हाल, पानी की व्यवस्था अधूरी है। बिजली के स्थाई मीटर को लेकर रहवासी खासे परेशान हैं। आईटी पार्क अयोध्या बायपास से लगी गोकुलधाम कॉलोनी पॉश एरिया होने के बाद अधूरे विकास और मेंटेनेंस के अभाव से रहवासी परेशान हैं। करीब 350 मकानों की इस कॉलोनी में करीब 250 मकानों में लोग रहते हैं। कॉलोनी में करीब 1200 की आबादी एक बोरिंग पर निर्भर हैं। 29 मॉडेगेज प्लाट से बिजली का बकाया और बिजली स्टेशन बनाने पर सहमति तो हुई है, लेकिन अधूरा विकास पूरा करने की राशि कहां से मिलेगी? लोगों का कहना है कि मॉडगेज प्लॉट को बेचकर बिजली बिल का सवा करोड़ बकाया राशि और मीटर लगाने से लेकर अन्य विकास अभी होना चाहिए। इसकी व्यवस्था के लिए रहवासी समिति निगम के चक्कर काट रही है। कॉलोनी द्वारका धाम हवेली बिल्डर्स ने बनाई है। इसका मेंटेनेंस बिल्डर द्वारा ही किया जाता है। करोड़ो रुपए मेंटेनेंस का पहले ही लिया जा चुका है। मीटर के साथ अधूरा विकास अब भी कॉलोनी की दिक्कत बना हुआ है।

कई हिस्से की सड़क नहीं बनी है...

वहीं रहवासी समिति अध्यक्ष का कहना है कि मॉडगेज प्लाट से बिजली के बकाया और कॉलोनी के अधूरे विकास को पूरा करने के लिए महापौर व निगम अधिकारियों से निरंतर समिति बात कर रही है। लोगों का कहना है कि कॉलोनी को बने 11 साल से अधिक हो चुके हैं। इसके बाद भी रहवासी क्षेत्र में कई हिस्से की सड़क नहीं बनी है। जर्जर सड़क से लोग निकलने को मजबूर हैं। बिल्डर ने रहवासियों से 3 मेंटेनेंस की राशि प्रत्येक से करीब सवा लाख रुपए पहले ही ले लिया है। जिससे पानी, स्ट्रीट लाइट्स, सफाई सुरक्षा आदि की व्यवस्था संचालित होना है। अगर वह राशि लिए बिना समिति को जिम्मेदारी सौंपी गई तो रहवासी समिति मेंटेनेंस क्या हर माह रहवासियों से पैसा लेकर करेगी? इससे तो मकान खरीदने वाले खुद को ठगा महसूस करेंगे। एक बोरिंग से कॉलोनी में जल सप्लाई गर्मी में दिक्कत देती है। नर्मदा कनेक्शन रहवासियों की व्यक्तिगत आवेदन पर दिया जाना चाहिए। मेंटेनेंस के लिए राशि मिले। कॉलोनी में विकास अधूरा हुआ है। मॉडगेज प्लॉटों सिर्फ बिजली की समस्या ही हल नहीं होना चाहिए। कॉलोनी का अधूरा विकास भी हेंडओवर से पहले पूरा हो।

भोपाल में बनेगी एनिमेशन सिटी, निवेशकों को सब्सिडी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल में सरकार 150 एकड़ तक के क्षेत्र में फिल्म सिटी, एनिमेशन सिटी या क्रिएटिव एयूजमेंट पार्क विकसित करेगी। यहां फिल्म निर्माताओं और एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट आदि निर्मित करने वाली कंपनियों को जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। बढ़ावा देने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी बनेगा। इस पार्क के साथ आइटी पार्क में एवीजीसी कंपनियों को रियायती दरों पर स्टूडियो बनाने के लिए स्थान दिया जाएगा। उन्हें लीज रेंट से लेकर इंटरनेट चार्ज आदि पर भी छूट दी जाएगी। सरकार इस क्षेत्र के 50 करोड़ से अधिक के निवेश करने वाले बड़े प्रोजेक्ट को कस्टमाइज पैकेज भी दिया जाएगा। इसमें पॉलिसी में तय इंसेंटिव से भी ज्यादा का पैकेज दिया जा सकेगा। प्रदेश में ही बनने वाली एनिमेशन फिल्मों आदि को भी सरकार सब्सिडी देगी। यह प्रावधान एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स एंड एक्सटेंडेड रियलिटी- एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी में किए गए हैं। इस पॉलिसी को हाल ही में कैबिनेट ने मंजूरी दी है। अधिकारियों के अनुसार सरकार 2029 तक 250 एवीजीसी-एक्सआर कंपनियों को बनाने और विस्तार करने में मदद करेगी। इस क्षेत्र में 50 हजार रोजगार सृजित करने और आवश्यक योग्य पेशेवरों की शिक्षा, कौशल और अप-स्किलिंग प्रदेश में की जाएगी। एवीजीसी में निवेश करने पर जमीन में कलेक्टर गाइडलाइन के रेट से 75 प्रतिशत तक छूट दी जाएगी। सरकार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाएगी। इससे निवेशकों को तकनीकी और संसाधनों की मदद मिलेगी। यह पीपीपी मॉडल पर बनाया जाएगा। नए निवेशक को कुल निवेश की 25त्न और अधिकतम 50 लाख सब्सिडी दी जाएगी। यह 5 करोड़ से अधिक निवेश करने और कम से कम प्रदेश में 50 लोगों को रोजगार देने पर दी जाएगी। 15 हजार वर्ग फीट से अधिक का ऑफिस स्पेस लेने पर तीन साल तक लीज रेंट का 25 प्रतिशत और अधिकतम 10 लाख रुपए जो भी अधिक हो वापस किया जाएगा। एवीजीसी कंपनी को तीन साल तक 50 हजार रुपए प्रति वर्ष इंटरनेट पर हुआ खर्च भी सरकार वापस करेगी।

एनिमेशन फिल्में बनेंगी और मोबाइल गेम्स

कमजोर विषय की तैयारी में जुट जाएं, मोबाइल से रहें दूर-सिद्धभाऊजी

हिरदाराम नगर. परीक्षा से पहले संतनगर के स्कूलों में परीक्षा की तैयारी और परीक्षा कक्ष में जाने से पहले ध्यान देने वाली बातों को बताने मार्गदर्शन सिद्धभाऊजी बच्चों के बीच जाते हैं। मंगलवार को साधु वासवानी स्कूल में परीक्षा पूर्व तैयारी विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। भाऊजी ने बच्चों को परीक्षा में बेहतर करने के टिप्स दिए।

सेमिनार की शुरूआत परंपरागत तरीके से दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। शिक्षाविद विष्णु गेहानी ने कहा, विद्यार्थी का लक्ष्य केवल और केवल पढ़ाई होना चाहिए। लक्ष्य को हासिल करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दें। सकारात्मक सोच के सोच लक्ष्य हासिल करने में अपनी पूरी ताकत लगा दें। कार्यक्रम का संचालन भावना कलवानी एवं आभार उप-प्राचार्या स्वाति कलवानी ने व्यक्त किया।

सिद्धभाऊजी ने विद्यार्थियों से कहा कि आपने जो पूरे साल में जो पढ़ा है, यह उसकी अंतिम तैयारी करने का समय है। किस विषय को कितना समय देना है, यह हर विद्यार्थियों को अपने हिसाब से तय करना होगा,क्योंकि कौन से विषय में वह कमजोर हैं यह विद्यार्थी से बेहतर कोई नहीं जानता। परीक्षा के समय स्वस्थ रहना और केवल पढ़ाई ही लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के लिए स्वास्थ्य अच्छा होना आवश्यक है, इसलिए परीक्षा तक खान-पान का विशेष ख्याल रखें। केवल घर का बना हुआ खाना खाएं। सुबह व्यायाम और प्राणायाम करें। रात में जल्द सोए और सुबह जल्दी उठकर परीक्षा की तैयारी करें। मोबाइल से दूर रहें और लक्ष्य पर फोकस करें। परीक्षा के लिए जितना भी समय बचा है, उसके हिसाब से समय सारणी बनाएं। हर विषय के नोटस बनाकर पढ़ें।

सरल प्रश्न पहले करें

परीक्षा देने जाने से पहले भी तैयारी करनी होती है, पेन पेंसिल क्वालिटी का होना चाहिए। जाते समय प्रवेश पत्र देख लें। परीक्षा हॉल में आधा घंटे पहले पहुंचे, तनाव को दूर रखें और प्रश्न-पत्र हल करने की शुरूआत उन प्रश्नों से करें जो आपको अच्छे से आते हैं। पेपर से पहले होने वाली घबराहट स्वाभाविक हैं, लेकिन प्रार्थना करके, माता-पिता का आशीर्वाद लेकर जाएं। वैसे जिस विद्यार्थी की जितनी अच्छी तैयारी होगी, उसे उतनी कम घबराहट होगी।

मेटेनेंस के अभाव में 106 एकड़ क्षेत्र में फैले स्वर्ण जयंती पार्क में लगातार बढ़ रही हैं अव्यवस्थाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के बड़े और पुराने पार्कों में से एक कोलार रोड के चूनाभट्टी क्षेत्र में स्थित स्वर्ण जयंती पार्क बीते कुछ दिनों से उपेक्षा का शिकार हो गया है। बताया जा रहा है कि जब से राजधानी परियोजना प्रशासन यानी सीपीए को भंग किया गया है, तब से इस पार्क की रंगत खत्म हो गई है। सन् 1986 के समय से विकसित 106 एकड़ क्षेत्र में फैले इस पार्क में अब सबसे ज्यादा मेटेनेंस की कमी देखी जा रही है। इतना ही नहीं, पहले इस पार्क की देखरेख और मरम्मत के लिए जहां 16 लोग थे, अब यह संख्या घटकर 10 में सिमट गई है। इसके कारण यहां पर पर्याप्त मेटेनेंस नहीं होता। सुरक्षा के लिहाज से कोई पुख्ता इंतजाम नहीं है। शाम के बाद लाइट नहीं होने के कारण पार्क में अंधेरा छा जाता है। इस पार्क में चार गेट हैं, लेकिन व्यवस्थाओं के कारण सभी में परेशानी हो रही है।

राजधानी के बड़े पार्कों में से एक स्वर्ण जयंती पार्क बीते कुछ सालों से मेटेनेंस के अभाव में बदहाल हो रहा है। जिम्मेदार लोगों को इस पर ध्यान देना चाहिए। कोलार रोड स्थित इस पार्क में वर्तमान में सबसे ज्यादा गंदगी मिल रही है। रात को सुरक्षा के अभाव में यहां पर शराबी बैठते हैं, जो कचरा फेंक जाते हैं। कोलार रोड स्थित स्वर्ण जयंती पार्क में मेटेनेंस सहित अन्य सुविधाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है। बीते कुछ महीनों से बजट की परेशानी होने के कारण काम पेडिंग थे। अब फंड से सारी कमियां दूर करेंगे।

अंधेरे का फायदा उठा कर सक्रिय शराबी

वहीं, बिना रोकटोक के शराबी सहित अन्य असामाजिक तत्व पार्क में हमेशा घूमते हैं। दरअसल, पार्क में एक-दो स्थानों पर ही लाइटें लगी हैं। यह लाइट भी काफी साल पहले लगाई गई थीं। अब लाइट खराब होने के कारण शाम से ही यहां पर अंधेरा छाने लगता है। इसके कारण पूरे पार्क में शराबी बैठकर शराब पीते हैं और गंदगी फैलाते हैं।

सड़क निर्माण के कारण गेट व फेशिंग टूटी

एक साल पहले कोलार सिक्सलेन सड़क निर्माण के कारण कोलार रोड की तरफ बने दो गेट और फेशिंग टूटने से अब कई अव्यवस्थाएं हो रही हैं। फेशिंग नहीं होने के कारण गाय-भैंस सहित अन्य पालतू जानवर पार्क में घुसकर फूलदार पौधों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इस पर तत्काल रोक लगनी चाहिए।

मातृ-पितृ दिवस मना आरती उतारी बच्चों ने

हिरदाराम नगर. ज्वाला कान्वेंट स्कूल में आज मात् पितृ दिवस पर पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। योग वेदांत सेवा समिति के सेवादारियों द्वारा कार्यक्रम में बच्चों को मातृ-पितृ दिवस के बारे में बताया गया। उन्होंने बच्चों को यह भी बताया कि पश्चिमी सभ्यता का 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे न करके प्रत्येक बच्चा अपने माता-पिता की पूजा करें और उनसे प्रेम करें । इस अवसर पर बच्चों द्वारा अपने गुरु और माता-पिता की आरती उतार कर उनकी पूजा की।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शिक्षाविद पंडित अवधेश शुक्ला ने कहा आज का कार्यक्रम बच्चों को संस्कारवान बनने में लाभदायक साबित होगा । इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य राज बतरा, योग वेदांत सेवा समिति के सेवादारी प्रीति आहूजा और पूनम संतानी उपस्थित थीं।

मेट्रो एंकर स्टूडेंट्स के लिए सोशल मीडिया पर बोर्ड द्वारा अपलोड की जा रही मूवी क्लीप्स

स्टडी ब्रेक के बीच मोटिवेशनल मूवीज बदल रही नजरिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एग्जाम में सफलता पाने का नजरिया बदल रहीं मोटिवेशनल मूवीज। यही कारण है कि एमपी बोर्ड और सीबीएसई द्वारा स्टूडेंट्स को इंस्पायर करने के लिए क्लिप और फिल्मों के पार्ट्स अपलोड किए जा रहे हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि एग्जाम में सफलता पाने का सूत्र अब बदल रहा है। घंटों पढ़ाई करने की बजाय स्टूडेंट्स को पढ़ाई के बीच ब्रेक देने के लिए कहा जाता है। ऐसे में जहां वे टीचर्स की गाइडलाइन फॉलो करते हैं, वहीं पैरेंट्स का रोल भी अहम हो चुका है। एग्जाम डेज में स्टूडेंट्स पढ़ाई के साथ-साथ मोटिवेशन के लिए मूवीज देख रहे हैं। इतना ही नहीं सीबीएसई, एमपी बोर्ड और आईसीएससी बोर्ड द्वारा भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर स्टूडेंट्स के लिए मूवीज के पार्ट क्लिप्स अपलोड किए जा रहे हैं।

पैरेंटिंग टिप्स समझ रहे पैरेंट्स

काउंसलर सोनम अहूजा का कहना है कि स्टूडेंट्स का पढ़ाई के दौरान ब्रेक लिया जाना बेहद जरूरी है। स्टडी के दौरान लिए गए ब्रेक में पसंदीदा खेल, गाने और फिल्म देखी जा सकती है। इस बात का ध्यान पैरेंट्स को भी रखना होगा। पैरेंटिंग टिप्स फॉलो करते हुए शहर में यह बदलाव नजर आ रहा है और वे बच्चों को मोटिवेशनल मूवीज दिखा रहे हैं। बोर्ड एग्जाम में बच्चों को किसी तरह का प्रेशर ना हो इसके लिए अब माहौल काफी लाइट रखा जाता है। बच्चों को एग्जाम के दौरान डाइट प्लान, योगा, मेडिटेशन, पसंदीदा खेल के लिए भी समय निकालने के लिए गाइड किया जाता है। मोटिवेशनल मूवीज भी इसी गाइडेंस का हिस्सा है, जहां स्टूडेंट्स मूवीज देखकर सेल्फ कॉन्फिडेंस को बूस्ट कर सकते हैं।

डेली अपलोड हो रहे वीडियोज

अलग-अलग बोर्ड की वेबसाइट और यू-ट्यूब चैनल्स पर रोजाना मोटिवेशनल वीडियोज अपलोड हो रहे हैं, वहीं सब्सक्राइब करने वाले स्टूडेंट्स को ब्लू लिंक मिल रही है, जहां से वे मोटिवेशन थॉट्स पा रहे हैं। मोटिवेशनल मूवीज में बॉलीवुड के साथ हॉलीवुड, वेब सीरीज और तमिल स्टोरीज भी शामिल हैं।

ये मूवीज हैं टॉप पर- स्टूडेंट्स को इंस्पायर करने के लिए 12वीं फेल, सुपर थर्टी, निल बटे सन्नाटा, द रेवेनेंट, स्लमडॉग मिलेनियर, आई एम कलाम, गुड विल हंटिंग, थ्री इडियट्स, भाग मिल्खा भाग, चक दे इंडिया, इकबाल जैसी फिल्मों को दिखाया जा रहा है।

भरोसा और निवेशकों को पहला स्थान
मूल्यों की नींव पर
मध्यप्रदेश की उड़ान

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

कर्टेन रेज़र कार्यक्रम
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट

अनंत संभावनाएं

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

24-25 फरवरी 2025, भोपाल

होटल ताज महल, मान सिंह रोड एरिया, नई दिल्ली
12 फरवरी, 2025 । अपराह्न 3:00 बजे

असीमित संभावनाएं एवं निवेश का समृद्ध इकोसिस्टम आपके लिए तैयार है

आकर्षक नीतियां
पारदर्शी नीतियों के साथ कस्टमाइज्ड पैकेज

ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस
EODB रैंकिंग में अग्रणी राज्य

आधुनिक आधारभूत संरचना
340+ औद्योगिक पार्क (MSME, IT, EMS पार्क सहित) 7 स्मार्ट सिटीज़, 5 आईटी सेज़

पावर सरप्लस
31 GW स्थापित क्षमता
30% स्वच्छ ऊर्जा

स्ट्रेटजिक कनेक्टिविटी
6 हवाई अड्डे, 20 रेलवे जंक्शन, 6 ड्राई पोर्ट
1 मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क

व्यापक औद्योगिक लैंड बैंक
1 लाख + एकड़

विस्तृत रोड नेटवर्क
5 लाख + किमी रोड नेटवर्क
46 राष्ट्रीय राजमार्ग

पर्याप्त जल आपूर्ति
उद्योगों के लिए 1000 + मिलियन घनमीटर जल उपलब्ध

रजिस्ट्रेशन के लिए स्कैन करें

www.investmp.in

D11179/24

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP | #InvestInMP | #MPGIS2025

संपादकीय

फैसले के पीछे के अनुमान

बजट में मध्यम वर्ग को राहत के लिये दरवाजे खोलने के बाद भारतीय रिजर्व बैंक की छह सदस्यों वाली मौद्रिक नीति समिति ने वित्त वर्ष की अपनी आखिरी बैठक और नए गवर्नर संजय मल्होत्रा की अगुआई में पहली बैठक में सर्वसम्मति से नीतिगत रेपो रेट 25 आधार अंक घटाने का फैसला लिया। यद्यपि बाजार पहले ही इस कटौती का अनुमान लगा रहा था। एक कारण कम मुद्रास्फीति का अनुमान भी रहा। रिजर्व बैंक को उम्मीद है कि मानसून सामान्य रहेगा और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति की दर 2025-26 में औसतन 4.2 फीसदी रहेगी। चालू वित्त वर्ष के लिए इसका अनुमान 4.8 फीसदी जताया गया था। मगर माना गया कि वैश्विक अनिश्चितता को देखते हुए कटौती के लिए अभी रुकना चाहिए था। खास तौर पर अमेरिका की घटनाएं मुद्रास्फीति पर असर डाल सकती हैं जिसे देखते हुए समिति को ठहरना ही चाहिए था। उसके अलावा भी विभिन्न देशों पर शुल्क लगाने या उसकी धमकी देने के अमेरिकी कदम ने डॉलर को मजबूत कर दिया है, जिससे उभरते बाजारों की मुद्राएं खास तौर पर लुढ़क गई हैं। रुपये की कीमत ही 2025 में 2 फीसदी से अधिक गिर चुकी है और गिरावट आगे भी जारी रहने का अंदेशा है। इससे आयातित वस्तुएं महंगी होंगी। अक्टूबर में आई रिजर्व बैंक की छमाही मौद्रिक नीति रिपोर्ट में कहा गया है कि रुपया अगर बेसलाइन से 5 फीसदी गिरा तो मुद्रास्फीति में 35 आधार अंकों का इजाफा हो सकता है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में बेसलाइन विनिमय दर 83.5 रुपये प्रति डॉलर रही। फिलहाल रुपये की कीमत 87.43 प्रति डॉलर है। रिजर्व बैंक का कहना है कि मुद्रास्फीति का अनुमान लगाते समय रुपये के अवमूल्यन का ध्यान रखा जाता है, लेकिन वैश्विक घटनाओं से रुपये पर लगातार दबाव रहा तो मुद्रास्फीति चढ़ सकती है। इसके अलावा व्यापार में अनिश्चितता से आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट आ सकती है, जिसका असर भी मुद्रास्फीति पर पड़ेगा। बहरहाल अब रिजर्व बैंक कटौती कर ही चुका है तो बहस इस बात पर होनी चाहिए कि मुद्रास्फीति का अनुमान यही रहने पर नीतिगत दर में और कितनी कमी की जा सकती है। रिजर्व बैंक के अर्थशास्त्रियों के हाल के शोध में कहा गया कि 2023-24 की चौथी तिमाही में 1.4 से 1.9 फीसदी की तटस्थ दर का अनुमान था। इस दायरे के मध्य बिंदु के हिसाब से समिति नीतिगत दरों में 50 आधार अंकों की कटौती और कर सकती है। किंतु कटौती कब होगी यह कई कारकों और वैश्विक घटनाक्रम पर निर्भर होगा। मौद्रिक नीति समिति के निर्णय के अलावा भी रिजर्व बैंक की कई घोषणाओं का जिक्र यहां होना चाहिए। जैसे मल्होत्रा ने अपने वक्तव्य में कहा कि रिजर्व प्रमुख वृहद आर्थिक वेरिएबल्स के पूर्वानुमान को बेहतर बनाने का काम करेगा। यह स्वागत योग्य बात है क्योंकि मौद्रिक नीति अनुमानों की सटीकता पर ही निर्भर करती है। रिजर्व बैंक को इस साल सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि का अपना अनुमान काफी घटाना पड़ा। गवर्नर ने बैंकों से भी कहा कि अपने पास आया धन रिजर्व बैंक के पास रखने के बजाय मुद्रा बाजार में आपसी कारोबार करें ताकि मुद्रा बाजार मजबूत हो जाए। बैंकों की अनिच्छा के कारण अक्सर प्रणाली में तरलता की स्थिति बिगड़ जाती है और रिजर्व बैंक को दखल देना पड़ता है। मल्होत्रा ने यह भी कहा कि रिजर्व बैंक नियमन की लागत और लाभ में संतुलन साधने की कोशिश करेगा। ऋणदाताओं को राहत देते हुए प्रस्तावित तरलता कवरेज अनुपात दिशानिर्देश टाल दिए गए हैं। अब ताजा दो निणर्यों से बाजार और अर्थजगत की रफ्तार पर असर काबिलेगौर है।

आज का इतिहास

- 1502- वास्को द गामा भारत की दूसरी यात्रा के लिए अपने जहाज़ में लिस्बन से रवाना।
- 1544- इंग्लैंड में राजद्रोह के आरोप में जेन ग्रे को मौत की सज़ा दी गई।
- 1577- नीदरलैंड के नये गवर्नर आस्ट्रिया के डान जान ने गृहयुद्ध समाप्त करने का आदेश जारी किया।
- 1610- फ़्रांस नरेश हेनरी चतुर्थ ने जर्मन प्रोटेस्टेंट यूनियन के साथ समझौता किया।
- 1689- विलियम और मेरी इंग्लैंड के राजा तथा रानी घोषित किये गए।
- 1762- ब्रिटेन की नौसेना ने कैरेबियाई द्वीप मार्टिनिक पर क़ब्ज़ा किया।
- 1818- दक्षिण अमेरिकी देश चिली को स्पेन से स्वतंत्रता मिली।
- 1882- नीदरलैंड के एमेस्टरडम में सोशल डेमोक्रेटिक संघ की स्थापना।
- 1885- जर्मन ईस्ट अफ़्रीका कम्पनी का गठन हुआ।
- 1899- जर्मनी ने स्पेन से मेरिनास कैरोलिन और पिल्यू द्वीप ख़रीदे।
- 1912- चीन में मंचु वंश ने गद्दी छोड़ दी।
- 1922- महात्मा गांधी ने कांग्रेस कार्यकारिणी समिति को असहयोग आन्दोलन को समाप्त करने के लिये राजी किया।
- 1925- उत्तरी यूरोप के बाल्टिक देश इस्टोनिया ने कम्युनिस्ट पार्टी पर प्रतिबंध लगाया।
- 1928- गांधीजी ने बारदोली में सत्याग्रह की घोषणा की।
- 1934- फ़्रांस में श्रमिक आम हड़ताल पर।
- 1938- जर्मनी की सेना ने ऑस्ट्रिया में प्रवेश किया।
- 1953- सूडान के बारे में ब्रिटेन और मिस्र के बीच समझौता हुआ। सोवियत संघ ने इजरायल के साथ कूटनीतिक संबंध तोड़े।
- 1974- मास्को में नोबेल पुरस्कार विजेता सोवियत संघ के अलेक्जेंडर सोल्जेनित्शिन को गिरफ़्तार किया गया।
- 1975- भारत ने खुद को चेचक मुक्त घोषित किया।
- 1979- ईरान के प्रधानमंत्री बख्तियार ने सेना का समर्थन खोने के बाद अपने पद से इस्तीफा दिया।
- 1988-द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान सात लाख लोगों की हत्या के सिलसिले में 86 वर्षीय एड्रिया आर्टुकोविक को मुकदमा चलाने के लिए अमेरिका से यूगोस्लाविया भेजा गया।
- 1996- फ़िलिस्तीनी मुक्ति संगठन के नेता यासर अराफात को गाजा में फ़िलिस्तीन के प्रथम राष्ट्रपति के रूप में शपथ दिलाई गई।
- 1998- अमेरिकी कंपनी राइसटेक को बासमती चावल का पेटेंट सं.रा. अमेरिका द्वारा प्रदत्त।
- 1999- बिहार में राष्ट्रपति शासन लागू।
- 2000- पंडित रविशंकर फ़्रांस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'कॉमनडियर डीला लीजंड डि आनर'से सम्मानित।
- 2002- ईरान के एक विमान के खुर्रमबाद हवाई अड्डे पर उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के कारण 119 लोगों की मौत हुई।
- 2006- एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार दुनिया से सबसे ज़्यादा बदतर हालात नेपाल में।
- 2007- बगलिहार पर विश्व बैंक ने अंतिम रिपोर्ट सौंपी।
- 2008- उत्तर प्रदेश सरकार ने बहुचर्चित उत्तर प्रदेश संगठित अपराध नियन्त्रण विधेयक (यूपीकोका) को दोबारा ध्वनिमत से पारित किया।
- 2009- भारत के वैज्ञानिकों ने विश्व का पहला भैंस क्लोन विकसित किया।

अनसुलझे सवालों से जूझता मणिपुर और सियासी हलचल

■ प्रभाकर मणि तिवारी

बीते करीब 21 महीनों से बड़े पैमाने पर जातीय हिंसा से जूझने वाला पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर अब राजनीतिक अस्थिरता की चपेट में है। मैतेई और कुकी तबके के बीच लगातार भारी हिंसा के बीच ही मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने रविवार शाम को अचानक इस्तीफा दे दिया है। इससे राज्य में अटकलों और कयासों का दौर तेज हो गया है। केंद्र ने हाल में ही पूर्वोत्तर मामलों के जानकार पूर्व केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को राज्यपाल नियुक्त किया था। लेकिन उसके बाद तेजी से बदलते घटनाक्रम के बीच बीरेन सिंह के इस्तीफे ने राज्य को राजनीतिक अनिश्चितता की ओर धकेल दिया है। बीरेन सिंह के इस्तीफे की मांग तो मई, 2023 में हिंसा भड़कने के बाद से ही उठने लगी थी। लेकिन तब तस्वीर अलग थी। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत और मैतेई समुदाय में उनके मजबूत पकड़ के कारण न तो बीरेन सिंह ने ऐसी मांग को कोई तवज्जो दी और न ही केंद्र सरकार या भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने। लेकिन अब हाल के दिनों में तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। पार्टी के जिन विधायकों के बूते बीरेन सिंह मजबूते से कुर्सी पर जमे थे, वही उनको कटघरे में खड़ा करने लगे थे

पार्टी पर मजबूत पकड़ रखने वाले बीरेन सिंह बीते करीब सात-आठ वर्षों के दौरान राज्य में भाजपा के एक मजबूत नेता के तौर पर उभरे थे। वह दौर ऐसा था जब पार्टी में उनके फैसलों पर कोई सवाल नहीं उठता था। लेकिन एक पुरानी कहावत है कि राजनीति में न तो दोस्ती स्थायी होती है और न ही दुश्मनी। यही वजह है कि कभी जो नेता उन पर आंख मूंदकर भरोसा करते थे वही अब उनको आंखें दिखाने लगे थे। इनमें विधानसभा अध्यक्ष थोकचोम सत्यब्रत सिंह समेत कुछ मंत्री भी शामिल थे। पार्टी के बागी विधायकों की तादाद धीरे-धीरे एक दर्जन के पार पहुंच गई थी।उधर, केंद्र सरकार भी बीरेन सिंह को बदलने के पक्ष में नहीं थी। उसका मानना था कि हिंसा के बाद उनको बदलने से गलत संदेश जाएगा। इससे यह साफ हो जाता कि हिंसा रोकने में नाकाम रहने की वजह से ही उनको हटाया गया है। लेकिन अब परिस्थिति इस मोड़ पर पहुंच गई थी कि उनसे इस्तीफा नहीं लेने की स्थिति में पार्टी को सदन में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ सकता था। सोमवार (10 फरवरी) से शुरू होने विधानसभा के बजट अधिवेशन में विपक्षी कांग्रेस ने उनकी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का फैसला किया था। इसके लिए नोटिस दी जा चुकी थी।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि भाजपा के कम के एक दर्जन विधायक अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए तैयार थे। इन विधायकों ने बीते सप्ताह दिल्ली में केंद्रीय नेताओं से मुलाकात में भी बीरेन सिंह के किलाप जमकर भड़ास निकालते हुए मजबूती से नेतृत्व परिवर्तन की मांग उठाई थी। इसके साथ ही हाल में वायरल एक वीडियो में मुख्यमंत्री कथित तौर पर यह दावा करते सुने गए थे कि उन्होंने मैतेई संगठन को सरकारी हथियार लूटने में मदद दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इससे संबंधित याचिका पर सुनवाई के दौरान बीते सप्ताह अदालत ने उस ऑडियो क्लिप की फोरेंसिक जांच का आदेश दिया था।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि बीरेन सिंह ने बजट अधिवेशन से पहले उसके प्रावधानों और वित्तीय आवंटन पर चर्चा करने के लिए राजधानी इंफाल में पार्टी के विधायकों की एक बैठक बुलाई थी। लेकिन करीब डेढ़ दर्जन विधायक उस बैठक में नहीं पहुंचे। उसी समय साफ हो गया था कि पानी अब सिर के ऊपर से गुजरने लगा है। उसके बाद मुख्यमंत्री बुधवार को दिल्ली पहुंचे लेकिन तमाम केंद्रीय नेता दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर व्यस्त थे। इसी वजह से बीरेन सिंह ने प्रयागराज में महाकुंभ में डुबकी लगाने का फैसला किया। वहां से लौटने के बाद शनिवार को गृह मंत्री अमित शाह और जे.पी. नड्डा समेत दूसरे नेताओं के साथ मुलाकात के दौरान ही उनके इस्तीफा देने पर सहमति बनी। इसी दौरान शीर्ष नेतृत्व ने पार्टी के नेता संबित पात्रा को असंतुष्ट विधायकों को मनाने के लिए इंफाल भी भेजा लेकिन बात नहीं बन सकी। वहां से लौटने के बाद रविवार शाम को उन्होंने अपना इस्तीफा सौंप दिया। मैतेई समुदाय के एक भाजपा विधायक बताते हैं कि केंद्रीय नेतृत्व को इस बात की भनक मिल चुकी थी कि इस्तीफा नहीं देने की सूरत में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान बीरेन सिंह सरकार का गिरना तय है। वह पार्टी के लिए शर्मनाक स्थिति होती। इसलिए उनको इस्तीफा देने को कह दिया गया। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि दरअसल, मई, 2023 में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच जातीय हिंसा शुरू होने के बाद भी बीरेन सिंह पर इस हिंसा को भड़काने के आरोप लगते रहे। उन पर मैतेई संगठनों को हथियार मुहैया कराने तक के आरोप लगे। बीरेन सिंह के खिलाफ सबसे गंभीर आरोप सशस्त्र मैतेई संगठन आरामबाई टेंगोल की मदद करने का लगा है। इसके बावजूद केंद्र सरकार खासकर मैतेई समुदाय के बीच उनकी भारी लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए उनको कुर्सी से हटाने का खतरा नहीं मोल लेना चाहती थी। लेकिन धीरे-धीरे यह साफ होने लगा था कि बीरेन सिंह ने मैतेई और कुकी समुदाय के बीच इतनी कड़वाहट पैदा कर दी है जिसे पाटना संभव नहीं है। मणिपुर में अब ज्यादा विकल्प नहीं है। केंद्रीय नेतृत्व यहां बीरेन सिंह की जगह किसी बागी नेता को कमान सौंप सकता है या फिर कुछ दिनों के लिए राष्ट्रपति शासन लगा कर परिस्थिति सामान्य होने का इंतजार किया जा सकता है। ऐसे में यह सप्ताह काफी अहम होगा। फिलहाल विधानसभा का बजट अधिवेशन स्थगित कर दिया गया है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अगर राष्ट्रपति शासन लागू करने पर ही सहमति बनी तो संसद के मौजूदा अधिवेशन के खत्म होने का इंतजार किया जाएगा। लेकिन भाजपा के एक विधायक ने दावा किया कि इसकी संभावना कम ही है। इस बीच, कुकी संगठनों ने कहा है कि बीरेन सिंह की जगह भाजपा के किसी और नेता को मुख्यमंत्री बनाने पर भी स्थिति में कोई सुधार नहीं होगा। उन्होंने कुकी बहुल इलाकों के लिए एक प्रशासनिक ढांचा बनाने की मांग दोहराई है। राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने भी मुख्यमंत्री बदलने की जगह राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग उठाई है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बीरेन सिंह के इस्तीफे के बावजूद मणिपुर की जमीनी हालत में बदलाव की उम्मीद कम ही है। केंद्र सरकार की यह बात जानती है। इसलिए वह फूंक-फूंक कर कदम बढ़ा रही है। किसी भी फैसले पर पहुंचने वह उसके तमाम पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर रही है। इसकी वजह यह है कि उसके किसी भी फैसले का दूरगामी असर होना तय है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

माघ पूर्णिमा रामजी बाबा स्मृति दिवस पर विशेष

नर्मदा के सानिध्य में भजन ध्यान करके आत्म साक्षात्कार को उपलब्ध हुए थे संत शिरोमणि रामजी बाबा

■ एम आर रसिक

नर्मदा खंड हमेशा संतों महात्माओं और साधकों की तपोभूमि के लिए हमेशा से जाना जाता रहा है. पतित पावनी कल कल बहती अविरल नर्मदा की धार से सतत ऊर्जा प्राप्त करते हुए संतो ऋषि मुनियों ने आत्म साक्षात्कार कर परम तत्व परमात्मा से तादात्म्य स्थापित किया है.

ऐसे ही बिरले महापुरुषों में एक नाम है संत शिरोमणि रामजी दास बाबा का जिन्होंने नर्मदा तट पर भक्ति भाव से साधना करके आत्म साक्षात्कार की उपलब्धि हासिल की थी. माघ पूर्णिमा को प्रतिवर्ष उनकी स्मृति में नर्मदापुरम में उनकी समाधि के समीप सांप्रदायिक सद्भाव के रूप में मेले का आयोजन किया जाता है. इस वर्ष यह मेला 11 फरवरी से 25 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा. 12 फरवरी पूर्णमासी के दिन रामजी दास बाबा की समाधि स्थल पर माथा टेकने के लिए स्थानीय तथा दूर दराज से हजारों की संख्या में लोग आते हैं और बाबा के प्रति अपनी श्रद्धा भाव को प्रकट करते हैं.

संत शिरोमणि राम जी बाबा का जीवन परिचय

राम जी बाबा निमाड़ क्षेत्र के ग्राम घुघरी के निवासी बताए जाते हैं. करीब 400 वर्ष पूर्व राम जी बाबा और उनके परिवार जन नर्मदा अंचल क्षेत्र में आकर बस गये थे . नगर से

करीब 8 किलोमीटर दूर नर्मदा और तवा संगम के पास घानाबड़ नामक स्थान पर बाबा अपने परिवार के साथ रहकर खेती-बाड़ी किया करते थे. बचपन से ही ईश्वर भक्ति में लीन राम जी बाबा का मन किसी भी काम में नहीं लगता था. वह ईश्वरी चिंतन में ही तल्लीन रहा करते थे. उनके परिवार के लोग घानाबड़ में तंबाकू की खेती करते थे.

उनके परिजन उनसे खेती-बाड़ी का काम तो नहीं कराते थे लेकिन उन्हें बाजार में तंबाकू बेचने के लिए भेज दिया करते थे. बताया जाता है कि बाबा बाजार में तंबाकू की पोटली खोलकर एक स्थान पर रख देते थे और समीप किसी पेड़ के नीचे जाकर भजन करने में तल्लीन हो जाते थे.

जो ग्राहक तंबाकू लेने आते थे वह तंबाकू ले जाते थे और उतना ही दाम वहां पर रखकर चले जाते थे. कुछ शरारती लोग जितने पैसे रख कर जाते थे उससे कहीं ज्यादा मात्रा में तंबाकू उठा कर ले जाते थे लेकिन जब वह घर जाकर देखते थे तो जितने पैसे उन्होंने वहां रख कर गए थे इतने पैसे की तंबाकू निकलती थी. राम जी बाबा की प्रसिद्धि के चर्चे आसपास के क्षेत्र में होने लगे थे. नगर के कई भक्त गण सहित धनाढय वर्ग भी बाबा से मिलने घानाबड़ अक्सर आते-जाते रहते थे. और उनसे धर्म चर्चा कर सत्संग ज्ञान का लाभ अर्जित करते थे.

बाबा का घानाबड़ से नर्मदा नगरी आगमन कैसे हुआ

बताया जाता है कि एक बार नर्मदा में भयंकर बाढ़ आई थी. घानाबढ़ के आसपास का पूरा क्षेत्र जल मग्न हो गया था. नर्मदापुरम नगर के भक्तों को इस बात की चिंता हुई कि बाबा के आश्रम में बाबा न जाने किस हाल में होंगे. उन्होंने घानाबड़ जाकर बाबा को देखने का निश्चय किया और घानाबड़ की ओर निकल पड़े. घनाबड़ पहुंचकर भक्तों ने जो नजारा देखा तो वह आश्चर्यचकित हो गए. जहां बैठकर बाबा भजन कर रहे थे उस स्थान के आसपास काफ़ी मात्रा में पानी भरा था लेकिन बाबा के आसन के आसपास जरा भी पानी नहीं था. यह दृश्य देखकर भक्तों ने बाबा से आग्रह किया कि हमें हमेशा आपकी चिंता रहती है. और फिर हम बरसात के दौरान आपसे मिलने भी यहाँ नित्य नहीं आ सकते. कृपा करके आप हमारे साथ नर्मदा नगरी चलिए आप वही रहिए. हम पर इतनी कृपा वर्षा कीजिए. भक्तों की बात सुनकर राम जी बाबा घानाबड़ से नर्मदा नगरी नर्मदापुरम आ गए और वर्तमान समय जहां उनकी समाधि है वहीं पर आकर अंत समय तक रहे. राम जी बाबा ने जीवित अवस्था में समाधि ले ली थी.

स्वाभिमान को ठेस लगने पर आचरण की जड़ में घुन लग जाता है और निन्दा फैलने पर मनुष्य उसकी ओर से आँखें बन्द करके खुल्लम-खुल्ला पतन की ओर अग्रसर होने लगता है।

- गोपी कान्त

क्या देते संदेश ?

-कृष्णेन्द्र राय

कर रहा कानून जब ।
अपन कोई काम ।।
ठीक नहीं ये अड़चनें ।
डाले जो तमाम ।।
हाथ में कानून लेकर ।
क्या देते संदेश ?
अराजकता ठीक नहीं ।
बनना यदि विशेष ।।
बेवजह हो हल्ले से ।
है होता नुकसान ।।
होती छवि धूमिल ।
गिरता है सम्मान ।।
हर पल का आक्रोश ।
बन जाती बीमारी ।।
मर्यादा में रह कर ही ।
आगे की तैयारी ।।

रुद्र महायज्ञ में उमड़े श्रद्धालु,आज पूर्णाहुति और भंडारे के साथ होगा यज्ञ का समापन

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

बसंत पंचमी से प्रारंभ कोडल में चल रहे रुद्र महायज्ञ में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है यज्ञाचार्य पंडित गोपाल शास्त्री द्वारा प्रतिदिन शिवलिंग निर्माण रुद्राभिषेक मंडप पूजन एवं आवाहित देवीदेवताओं का पूजन कराया गया, प्रीती देवी द्वारा रामकथा सुनाई जा रही एवं रात्रि में राम लीला का मंचन हो रहा है जिसे देखने बड़ी संख्या में क्षेत्र से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं जिसका आज पूर्णाहुति और भंडारे के साथ समापन होगा

यज्ञाचार्य पंडित गोपाल शास्त्री ने यज्ञ की वैदिक महत्व की महिमा बताते हुए वैज्ञानिक तथ्य भी बताए जिसमें उन्होंने कहा

मन्त्रों में अनेक शक्ति के स्रोत दबे है जिस प्रकार अमुक स्वर-विन्यास ये युक्त शब्दों की रचना करने से अनेक राग-रागनियाँ बजती हैं और उनका प्रभाव सुनने वालों पर विभिन्न प्रकार का होता है, उसी प्रकार मंत्रोच्चारण से भी एक विशिष्ट प्रकार की ध्वनि तरंगें निकलती हैं और उनका भारी प्रभाव विश्वव्यापी प्रकृति पर, सूक्ष्म जगत् पर तथा प्राणियों के स्थूल तथा सूक्ष्म शरीरों पर पड़ता है।

यज्ञ के द्वारा जो शक्तिशाली तत्त्व वायुमण्डल में फैलाये जाते हैं, उनसे हवा में घूमते असंख्यों रोग कीटाणु सहज ही नष्ट होते हैं। डी.डी.टी., फिनायल आदि छिड़कने, बीमारियों से बचाव करने वाली दवाएँ या सुइयाँ लेने से भी कहीं अधिक कारगर उपाय यज्ञ करना है।

साधारण रोगों एवं महामारियों से बचने का यज्ञ एक सामूहिक उपाय है। दवाओं में सीमित स्थान एवं सीमित व्यक्तियों को ही बीमारियों से बचाने की शक्ति है; पर यज्ञ की वायु तो सर्वत्र ही पहुँचती है और प्रयतन न करने वाले प्राणियों की भी सुरक्षा करती है। मनुष्य की ही नहीं, पशु-पक्षियों, कीटाणुओं एवं वृक्ष-वनस्पतियों के आरोग्य की भी यज्ञ से रक्षा होती है।यज्ञ की ऊष्मा मनुष्य के अंतःकरण पर देवत्व की छाप डालती है। जहाँ यज्ञ होते हैं, वह भूमि एवं प्रदेश सुसंस्कारों की छाप अपने अन्दर धारण कर लेता है और वहाँ जाने वालों पर दीर्घकाल तक प्रभाव डालता रहता है। प्राचीनकाल में तीर्थ वहीं बने हैं, जहाँ बड़े-बड़े यज्ञ हुए थे। जिन घरों में, जिन स्थानों में यज्ञ होते हैं, वह भी एक प्रकार का तीर्थ बन जाता है और वहाँ जिनका आगमन रहता है, उनकी मनोभूमि उच्च, सुविकसित एवं सुसंस्कृत बनती हैं। महिलाएँ, छोटे बालक एवं गर्भस्थ बालक विशेष रूप से यज्ञ शक्ति से अनुप्राणित होते हैं। उन्हें सुसंस्कारी बनाने के लिए यज्ञीय वातावरण की समीपता बड़ी उपयोगी सिद्ध होती है।

कुबुद्धि, कुविचार, दुर्गुण एवं दुष्कर्मों से विकृत मनोभूमि में यज्ञ से भारी सुधार होता है। इसलिए यज्ञ को पापनाशक कहा गया है। यज्ञीय प्रभाव से सुसंस्कृत हुई विवेकपूर्ण मनोभूमि का प्रतिफल जीवन के प्रत्येक क्षण को स्वर्ग जैसे आनन्द से भर देता है, इसलिए यज्ञ को स्वर्ग देने वाला कहा गया है।

कथा के छठवें दिन 50 हजार श्रद्धालुओं ने श्रवण की कथा

गुण-कर्म और स्वभाव मनुष्य के दुख के कारण होते हैं : पं. गोविंद नागर

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

गुण जब अवगुण ,कर्म कुकर्म में और स्वभाव जब दुर्भाव में बदलता है तभी मनुष्य दुखी होता है और इन्हीं के कारण मनुष्य का परिवार में हमेशा तिरस्कार होता रहता है । कर्म का फल भोगना ही पड़ता है चाहे संतों के पास जाओ ,ज्योतिषियों के पास जाओ,वास्तु शास्त्रोंयों के पास जाओ सभी अलग-अलग कारण बताते है,परंतु कोई यह नहीं कहेगा कि तेरे गुण ,कर्म और स्वभाव खराब है तो दुख हो रहा है और इसी चक्कर में जीव भटकता रहता है पंडित गोविन्द नागर ने बताया कि जीव को संसार में भटकने से बचने के लिए दो ही रास्ते हैं पहले संत और दूसरा सत्संग यह दोनों ही रास्ते पर चलने से आपको भटकाव से बचाव एवं मोक्ष प्राप्त हो सकता है। उन्होंने कहा की काशी नरेश का पुत्र शिकार खेलने गया और वहीं से गायब हो गया लौटकर नहीं आया राजा ज्योतिषियों के पास तांत्रिकों के पास अन्य जानकारों के पास गया परंतु पुत्र का कोई

पता नहीं चला तब राजा हार कर तुलसीदास जी के पास गए तुलसीदास जी ने कहा सब ग्रहों के ऊपर प्रभु का अनुग्रह है प्रभु के पास जाओ तुम्हारा पुत्र मिल जाएगा और प्रभु श्री राम जी की कृपा से राजा का पुत्र वापस आ गया अतः नवग्रह से प्रभु का अनुग्रह बड़ा होता है। एक गुरु ने अपने शिष्य को पारस मणि प्रदान की और देकर कहा कि यह लोहे को सोना बनाती है शिष्य ने कहा गुरुदेव मणि तो लोहे की डिब्बी में रखी है फिर भी लोहे की डिब्बी सोने की नहीं हुई गुरु ने कहा कि डिब्बी के अंदर मणि कपड़े में बंधी है इसलिए इसका संपर्क लोहे से नहीं हो रहा है तो डिब्बी का मणि से संपर्क नही होने से लोहा सोना कैसे हो सकता है इसी प्रकार मोह माया का कपड़ा जब तक जीव को बांधकर रखेगा तब तक वह परमात्मा से कैसे मिल सकता है। उन्होंने ने कहा की शहर की बजाय ग्राम ज्यादा अच्छे हैं क्योंकि जब तक गांव है तब तक ध्रुव, प्रह्लाद का जन्म होता रहेगा अपनी जितनी सामर्थ हो उतना दान देना चाहिए जिस प्रकार किसान थोड़ा सा बीज लेकर खेत में बोता है और बाद में ट्राली भर कर लाता है ।इस प्रकार अपनी सामर्थ के अनुसार दान करने पर ईश्वर कई गुना ज्यादा वापस करते हैं पंडित नागर जी ने कहा कि डॉक्टर पुलिस को बड़ा नोट देते हैं और मंदिर में सबसे छोटा नोट भेंट करते हैं ,जो अच्छा है वह भगवान को भेंट करना चाहिए अच्छा हुआ भगवान पत्थर का अगर साकार होता तो फिर क्या होता आज छठवें दिवस की कथा में भारी संख्या में श्रोता श्रद्धालु परम पूज्य नागर जी के दर्शन एवं सत्संग को सुनने के लिए उपस्थित रहे। संत श्री ने गुरू ओर गोविंद की तुलना माँ वाप से करते हुए कहा कि जिस प्रकार बच्चा अपनी कुछ भी मांग मा से आसानी से कर सकता है परंतु पिता से नही कर पाता उसी प्रकार गुरू से आप अपनी सभी समस्याओं का निराकरण आसानी से करवा सकते परन्तु भगवान से नही गुरु गलती करने पर समझाते हैं परंतु भगवान गलती का दंड देते हैं।

हिंदू चेतना समिति का नशा मुक्त भारत अभियान

युवाओं को धर्म एवं अध्यात्म से जोड़ने हनुमान चालीसा पाठ

गंजबासौदा। हिंदू चेतना सेवा समिति द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान एवं युवाओं को धर्म एवं आध्यात्म से जोड़ने हेतु चलाया जा रहा विशेष अभियान निरंतर जारी है हनुमान चालीसा पाठ के क्रम को आगे बढ़ाते हुए समिति द्वारा श्री चिंतपूर्णी माता मंदिर फ्री गंज में हनुमान चालीसा पाठ का 63 वां चरण आयोजित किया गया। सात बार हनुमान चालीसा पाठ कर अंत में हनुमान लला की आरती की गई।समिति अध्यक्ष राकेश सिंह रघुवंशी ने बताया कि हनुमान चालीसा का पाठ युवाओं में एक सकारात्मक प्रभाव डाल रहा है हनुमान चालीसा का पाठ जीवन में कठिनाइयों को पार पाने की प्रेरणा प्रदान करता है। हनुमान चालीसा के पाठ से हनुमान जी की भक्ति और उनके आदर्श जीवन में अनुशासन समर्पण और कार्य के प्रति निष्ठा का संदेश देता है। जो युवाओं को नशे जैसी सकारात्मक प्रवृत्तियों से दूर रखने में मदद करता है। हनुमान चालीसा का पाठ करने से युवा अपनी मानसिक स्थिति को संतुलित और शुद्ध कर सकते हैं। जिससे वे अपने जीवन के उद्देश्यों की ओर बढ़ सकते हैं. बिना किसी विकृति के। यह आत्म बल को जागृत करता है और नशे जैसी आदतों से बाहर निकलने का साहस प्रदान करता है। अगला हनुमान चालीसा का पाठ श्री बीजासन माता मंदिर पर आयोजित किया जाएगा।

नेत्र शिविर में 134 मरीजों की हुई जांच

गंजबासौदा। नेत्र शिविर नागरिक समिति एवं सिंधी समाज के संयुक्त तत्वाधान में सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय बैरागढ़ द्वारा तथा सेवा भावी संस्था दमयंती धर्म कांटा सेवार्थ के सहयोग से हितकारिणी धर्मशाला में नेत्र शिविर का निशुल्क कैंप आयोजित किया गया। जिसमें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. हरि प्रसाद, रविंद्र रघुवंशी एवं रिसेप्शनिस्ट नीतू श्रीवास्तव ने 134 मरीजों की ओपीडी की गई। इसमें से 61 नेत्र रोगियों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए चयन किया गया जिसमें 43 मरीजों को सेवा सदन बैरागढ़ भेजा गया 18 नेत्र रोगियों को 12 फरवरी बुधवार को ऑपरेशन के लिए भेजा जाएगा। शिविर में 58 नेत्र रोगियों को जांच पश्चात निशुल्क दवाइयां दी गई। 15 नेत्र रोगियों को चश्मा बनवाने के लिए सलाह दी गई।

जनशिक्षा केंद्रों पर लगाए जाएं आधार कैंप, सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा। शासकीय शिक्षक संगठन के पदाधिकारियों के द्वारा अनुविभागीय अधिकारी को एक ज्ञापन सौपा गया। ज्ञापन में गया है कि इस समय विद्यालय में अपार आईडी बनाने का कार्य चल रहा है। आईडी के लिए आधार कार्ड की आवश्यकता पड़ती है। और आधार बनवाने के लिए बच्चे और पालक आधार सेंटरों पर पहुंच रहे हैं। परंतु आधार केन्द्रों की संख्या कम होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है एक बार में आधार कार्ड में सुधार नहीं किया जा रहा है। इसलिए जन शिक्षा केंद्र पर आधार कैंप लगवाए जाएं। आधार बनाते समय बच्चों के दस्तावेजों की जांच करके ही सिस्टम पर फीडिंग की जाए। जिससे आधार कार्ड रिजेक्ट न हो । ज्ञापन बताया गया कि बार बार शिक्षकों के वेतन रोकने की कार्यवाही करने का कहा जा रहा है जबकि शिक्षक पूर्ण ईमानदारी से अपार आईडी बनवाने हेतु प्रयासरत हैं। लेकिन आधार सेंटर कम होने से पालकों की रुचि न लेने और स्थानीय समस्याओं के कारण पूर्ण रूप से प्रगति नहीं हो पा रही है। यदि जनशिक्षा केन्द्र पर केम्प लगने लगे और एक बार में सुधार हो जाऐ तो अधिकतर स्टडेंट्स की अपार आई बनना सम्भव है। इस मौके पर संगठन के पदाधिकारी सहित शिक्षक मौजूद थे।

विश्व दलहन दिवस का हुआ आयोजन दालों के उपयोग का महत्व भी बताया

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

कृषि महाविद्यालय में विश्व दलहन दिवस का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य दलहन के क्षेत्र में भोजन सुरक्षा उसका भूमि में टिकाऊ पर एवं जनता के मध्य बढ़ते हुए प्रचलन पर ध्यान केंद्रित हेतु किया गया है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ विनोद कुमार गर्ग ने छात्र एवं समस्त प्राध्यापकों को दलहन के क्षेत्र में दालों के अधिक उपयोग उनके महत्व को बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मृदा वैज्ञानिक डॉ प्रवीण कुमार जगा ने बताया कि भारत विश्व में दाल उत्पादन के क्षेत्र में 25 त्न दालें पैदा करता है जो कई अन्य देशों से अधिक है साथ ही उन्होंने बताया कि दलहनी फसलें धान्य फसलों की अपेक्षा मृदा की उर्वरता को भी बढ़ती है। कार्यक्रम में डॉक्टर आराधना कुमारी वैज्ञानिक ने बताया कि दलहनी फसल

वातावरण को भी शुद्ध बनाने का कार्य करती है कृषि फिजियोलॉजिस्ट डॉ ओपी धुर्वे ने बताया कि मध्य प्रदेश अभी दलहन के क्षेत्र में प्रथम स्थान पर आता है इसीलिए हमारे सभी छात्रों को दलहनी फसलो पर अधिक अनुसंधान करने की आवश्यकता है कृषि विशेषज्ञ घनश्याम जामलियां ने इन छात्रों को दलहन फसलों की कृषि कार्य माला से अवगत कराया

कार्यक्रम का संचालन कर रहीं वैज्ञानिक डॉ अपर्णा जायसवाल ने बताया कि दलहनी फसलों में पानी भी कम लगता है इस उद्देश्य से हमारे सभी किसान भाइयों को दलहनी फसलों की खेती अधिक से अधिक करना चाहिए।

स्थाई वारंटी को गिरफ्तार कर कोर्ट में किया पेश

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

सोमवार को तारादेही पुलिस ने एक स्थाई वारंटी को उसके ग्राम से पकड़कर जबलपुर न्यायालय के सुपुर्द किया गया, पकड़े गए स्थाई वारंटी का नाम रेवन पुत्र रामदयाल यादव निवासी ग्राम बासी है युवक जबलपुर न्यायालय के मामले में फरार चल रहा था और न्यायालय ने युवक के खिलाफ स्थाई वारंट जारी किया था, जो तारादेही पुलिस को मिला था। तारादेही पुलिस ने स्थाई वारंट मिलने के बाद फरार युवक की खोजबीन शुरू की और जानकारी लगी कि युवक अपने ग्राम में है पुलिस ने जाकर उसे पकड़ लिया। तारादेही थाना प्रभारी राजीव पुरोहित ने बताया रेवन पुत्र रामदयाल यादव का चैक बाउंस का केस जबलपुर के न्यायलय में चल रहा है। युवक पेशी पर नहीं जा रहा था इसलिए न्यायालय द्वारा स्थाई वारंट जारी किया, जिसके बाद रेबन यादव को ग्रामवासी जो उसका ग्राम है वहां से पकड़कर गिरफ्तार किया और न्यायालय में पेश किया गया।

मेट्रो एंकर नगरपालिका सीएमओ ने जेसीबी से साफ कराई स्टेशन रोड की नाली

गंदगी देख होटल संचालकों पर 3 हजार रुपए का जुर्माना

इटारसी, दोपहर मेट्रो

- जयस्तंभ रोड से स्ट्रीट पोल पर टिकाकर लगाए फ्लेक्स हटाए
- स्टेशन रोड से अभी कचरा नहीं हटाया ताकि दुकानदारों को अहसास हो कि वह कितनी गंदगी करते हैं

नगरपालिका सीएमओ श्रीमती रितु मेहरा ने मंगलवार को शहर के बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण अमले के साथ पहुंचकर गंदगी करने वाले, सिंगल यूज प्लाटिक रखने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई जुर्माना की कार्रवाई की। वहीं जयस्तंभ रोड पर स्ट्रीट लाइट पोल से टिकाकर रखे फ्लेक्सों को जब्त किया। इसके अलावा स्टेशन रोड पर मौजूद नाली की जेसीबी से सफाई की और इसमें भरा डिस्पोजलों का कचरा वहीं सडक किनारे रखवा दिया है। कचरा वहां से नहीं उठाने के पीछे कोई ठोस वजह नहीं बताई गई। हालांकि अंदरखाने बता रहे हैं कि दुकानदारों को अहसास कराने के लिए कचरा वहीं रहने दिया गया कि वे कितनी

गंदगी करते हैं। दरअसल, लगातार समझाने के बाद भी स्टेशन रोड पर भोजन की दुकान लगाने वाले दुकानदार डस्टबिन पर कचरा न डालकर पीछे नाली में डाल देते हैं जिससे वह नाली भरा जाती है और संधाड भी मारती है।

नगरपालिका सीएमओ श्रीमती रितु मेहरा ने कहा स्ट्रीट पोल से चिपकाकर यदि आगे कोई भी फ्लेक्स लगाया जाता है तो जब्ती के साथ जुर्माना की कार्रवाई की जाएगी।

3 हजार का किया जुर्माना

नगरपालिका सीएमओ ने पूडी लाइन, जयस्तंभ चौक पर अतिक्रमण अमले के साथ कार्रवाई की। यहां दुकानों के नीचे नाली में डिस्पोजल भरे पडे थे और दुकानों पर सिंगल यूज प्लास्टिक भी मिली। जिससे कुछ दुकानदारों पर 3 हजार रुपये का जुर्माना किया गया है।

पं.दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर भाजपा ने मनाया समर्पण दिवस

इटारसी। भाजपा के पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि समर्पण दिवस के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष इटारसी कार्यालय में विधायक डॉक्टर सीतासरण शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ श्री उपाध्याय के तेल चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के नगर मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे, पूर्व मंडल अध्यक्ष दीपक अथोत्रा, पूर्व जिला महामंत्री मुकेश चंद्र मैना, शैलेंद्र दुबे, मेहरबान सिंह चौहान बिट्टू वोहरा, हैप्पी भाटिया, शुभम सिंह राठौड़, संजीव हुरा सहित अन्य मौजूद थे। कार्यक्रम बूथ क्रमांक 211 पर आयोजित हुआ। नगर भाजपा अध्यक्ष राहुल चौरे ने बताया कि इस अवसर पर समर्पण निधि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सीएम हेल्पलाइन आवेदनों का निराकरण नहीं होने पर वेतन आहरण भी नहीं होगा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में सीएम हेल्पलाइन के विभागीय नोडल एवं जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री रमेश चैहान ने संजय सागर परियोजना, वाह नदी संभाग कार्यापालन यंत्री को पत्राचार कर अधीनस्थ चारों एसडीओ को पत्र जारी कर उन्हें सचेत किया है कि अगर सीएम हेल्पलाइन के लंबित आवेदनों का संतुष्टि पूर्वक समाधान नहीं किया गया तो अगामी माह का वेतन भुगतान हेतु आहरण नहीं किया जाएगा इसके लिए स्वयं जुम्मेवार होंगे।

कार्य पालन यंत्री चैहान ने बताया कि जलसंसाधन विभाग में कुल 97 शिकायतें लंबित है जिसमें ग्रेडिंग माह की 71 शिकायतें एवं 50 दिवस से अधिक की 26 शिकायतें सम्मिलित हैं। अनुविभाग वार लंबित आवेदनों की जानकारी तदनुसार जल संसाधन उपसंभाग शमशाबाद एसडीओ श्री राजेन्द्र कौशल के कार्यों क्षेत्रों से संबंधित कुल 60 शिकायती आवेदन लंबित है।जल संसाधन उपसंभाग गंजबासौदा के अनुविभागीय अधिकारी श्री जी.पी. राजे के कार्य क्षेत्रों की कुल 26 शिकायतें लंबित है।जल संसाधन उपसंभाग सिरोंज के अनुविभागीय अधिकारी श्री कमलेश कुमार के कार्यो से संबंधित 09 आवेदन लंबित है ।जल संसाधन उपसंभाग कुरवाई की अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती अम्रता सिंघई के कार्य क्षेत्र से संबंधित कुल दो शिकायती आवेदन लंबित है।

इसी प्रकार संजय सागर परियोजना, वाह नदी संभाग गंजबासौदा के कार्यक्षेत्र अंतर्गत सम्मिलित विदिशा, ग्यारसपुर एवं गुलाबगंज ब्लाक की ग्रेडिंग माह की शेष 08 शिकायतें एवं 50 दिवस से अधिक की कुल 02 शिकायतें लंबित हैं, जिनके शत-प्रतिशत निराकरण करने का लक्ष्य आगामी टी. एल. बैठक के पूर्व रखा गया है।लक्ष्य के अनुसार शिकायतों के संतुष्टि पूर्वक निराकरण न होने पर आगामी माह का वेतन आहरित न होने की स्थिति के लिये संबंधित अधिकारी की जबावदारी होगी।अतः उक्त शिकायतों के लक्ष्य अनुसार संतुष्टि पूर्वक निराकरण आगामी टी.एल बैठक के पूर्व कराना सुनिश्चित करें।

जनसुनवाई में 112 आवेदन प्राप्त हुए

कलेक्टर ने 72 आवेदनों का मौके पर ही कराया निराकरण

- जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का तत्परता से हो रहा निराकरण
- दो आवेदकों को पीएम जनमन आवास निर्माण के लिए किश्त की राशि मिली
- कलेक्टर के निर्देश पर छह आवेदकों को पंचायत सचिव पद पर अनुकंपा नियुक्ति के आदेश हुए

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा हरेक मंगलवार को जनसुनवाई कार्यक्रम के माध्यम से आवेदको के आवेदनो का निराकरण मौके पर किया जा रहा है। जनसुनवाई कार्यक्रम में 112 आवेदको के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किए गए थे जिसमें से मौके पर 72 आवेदनो का निराकरण किया गया है।

कलेक्टर श्री सिंह ने जनआकांक्षा पोर्टल पर लंबित आवेदनों की समीक्षा की और विभागीय अधिकारियों द्वारा निराकरण के संबंध में की गई पहल

की जानकारियां सांझा की गई।

कलेक्टेउट के भूतल स्थित जनसुनवाई कक्ष के समीप स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपचार केम्प के अलावा आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के कार्यो का भी संपादन किया जा रहा है।

आज मंगलवार को आधार सेन्टर में 26 आयुष्मान कार्डो के संदर्भ में स्टॉल के माध्यम से कार्य संपादित किया गया है जिसमें मुख्यतः नाम परिवर्तन, नाम, पता परिवर्तन तथा नवीन आयुष्मान कार्ड जारी करने के कार्य किए गए है। वहीं स्वास्थ्य सुविधाओं के तहत चिकित्सको के द्वारा 44 नागरिकों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया है।

आज सम्पन्न हुई जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया, संयुक्त कलेक्टर सुश्री निकिता तिवारी, श्रीमती मोहिनी शर्मा, श्रीमती शशि मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर संतोष बिटौलिया के अलावा विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी मौजूद रहे और वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से अन्य अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों एवं खण्ड स्तरीय अधिकारियों से संवाद किया गया है।

छः आवेदकों को पंचायत सचिव पद पर अनुकंपा नियुक्ति के आदेश जारी - कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा मौके पर ही संबंधित विभागों को आवेदनों के निराकरण के निर्देश दिए जा रहे हैं। कलेक्टर के निर्देश पर जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का निराकरण हुआ है। जिसमें दो आवेदकों को पीएम जन-मन आवास निर्माण के लिए किस्त की राशि प्राप्त हुई है जबकि 6 आवेदकों द्वारा अनुकंपा नियुक्ति के आदेश के लिए आवेदन किया गया था जिस पर जिला पंचायत द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए छह आवेदकों को पंचायत सचिव पद पर अनुकंपा नियुक्ति के आदेश जारी किए गए हैं।

महेन्द्र यादव एवं अन्य आवेदकों द्वारा 07 जनवरी 2025 को पंचायत सचिव पद पर अनुकंपा नियुक्ति के आदेश जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था जिस पर कलेक्टर के निर्देश पर जिला पंचायत द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुए श्री महेन्द्र यादव, श्री पुष्पेन्द्र पवार, सुश्री एकता दांगी, श्री सौरभ राजपूत, श्री राजवीर सिंह एवं श्री भूपेन्द्र किरार सहित कुल 06 लोगों को पंचायत सचिव पद पर अनुकंपा नियुक्ति के आदेश 07 जनवरी 2025 को जारी कर दिए गए हैं।

कलेक्टर की पहल पर दिव्यांगता प्रमाण पत्र मिला

जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्राम नौलास बउलिया के दिव्यांग आवेदन भुगगीलाल ने दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदाय कराने हेतु आवेदन कलेक्टर से रौशन कुमार सिंह को सौंपा। कलेक्टर ने वायोवृद्ध दिव्यांग प्रार्थी की स्थिति को संज्ञान में लेते हुए मौके पर मौजूद सिविल सर्जन को निर्देश दिए कि जनसुनवाई समाप्ति के पहले चिकित्सको से परीक्षण कराकर दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदाय कराने की सम्पूर्ण कार्यवाही पूरी की जाए। कलेक्टर श्री सिंह की पहल रंगत लाई, जनसुनवाई कार्यक्रम समाप्ति के पहले कलेक्टर श्री सिंह ने वायोवृद्ध दिव्यांग आवेदन भुगगीलाल को अपने हाथो से दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदाय किया और पेंशन राशि के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने हेतु जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया को निर्देशित किया है। इस अवसर पर जनसुनवाई कक्ष में सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ आरएल सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर कार्यशाला का आयोजन

कॉल्स पर गोपनीय जानकारी जैसे ओटीपी आधार, पैन या बैंक विवरण साझा ना करें

- कार्यशाला का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और इंटरनेट के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देना

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय पर सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर कार्यशाला का आयोजन किया गया था गौरतलब हो कि प्रति वर्ष सम्पूर्ण विश्व में फरवरी माह के द्वितीय मंगलवार को सुरक्षित इंटरनेट दिवस मनाया जाता है। इस तारतम्य में इलेक्ट्रानिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर सेफर इन्टरनेट डे सेलेब्रेशन, की थीम टुगेदर फॉर अ बेटर इन्टरनेट पर जिला स्तरीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित की गई थी जिसे जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया ने सम्बोधित करते हुए जागरूकता के आयामो को रेखांकित किया।

एनआईसी के जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी श्री एमएल अहिरवार ने सुरक्षित इंटरनेट दिवस विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और इंटरनेट के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देना है। जिसमे एमएल अहिरवार ने इंटरनेट की हानियों के बारे मे विस्तार से

बताया जैसे - इंटरनेट फिशिंग, विशिंग, स्मिशिंग, डिजिटल अरेस्ट साइबर ठगी, इंटरनेट एडिक्शन आदि के संबंध में जानकारी दी।

डीआईओ श्री अहिरवार ने इस दौरान सुरक्षित और जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग विषय पर बने वीडियो का प्रदर्शन कराते हुए क्या-क्या सावधानियां बरतनी चाहिये से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कभी भी कॉल्स पर अपनी गोपनीय जानकारी जैसे ओटीपी, आधार, पैन या बैंक विवरण सांझा ना करें। अपनी व्यक्तिगत जानकारी ऑनलाइन सांझा न करें और अपनी डिजीटल पहचान को सुरक्षित रखें। अनियंत्रित आधार भुगतान सूचनाओं से सतर्क रहें। वास्तविक कूरियर सेवाएं बिना बुकिंग किए पार्सल के लिए कोई शुल्क नहीं लेती। कभी भी अज्ञात नंबरों से आने वाले लिंक पर क्लिक ना करें जो केवायसी अपडेट के बहाने आपकी संवेदनशील जानकारी सांझा करने के लिए निवेदन करें। उच्च लाभ के प्रति प्रेरित करने वाले ऑनलाइन निवेश ऑफरों से बचें। कभी भी अज्ञात नंबरों से आने वाली कॉल्स पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी या पैसों से संबंधित मांग को पूरा ना करें।, अपने मोबाइल पर ऐप्स की नियमित जांच करें। अनावश्यक अनुमतियां रद्द करें और अनुपयोगी ऐप्स को हटा दें। सतर्क रहें- कभी भी भुगतान प्राप्त करने के लिये क्यूआर कोड स्कैन या ओटीपी या पिन सांझा ना करें, ये स्कैम के तरीके हो सकते हैं।, कोई सरकारी एजेंसी (पुलिस, सीबीआई, ईडी) वीडियो या वॉयस कॉल्स के माध्यम से आपकी जांच या गिफ्तारी नहीं कर सकती।, टीआरएआई या टेलीकॉम विभाग के नाम पर आने वाली कॉल्स पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही करने से बचें। संवेदनशील लेन-देन जैसे बैंकिंग, कानून स्वास्थ्य संबंधित जानकारी इत्यादि के लिए सार्वजानिक वाउफाई का उपयोग करने से बचें।

डीआईओ श्री अहिरवार ने बताया कि यदि कोई नागरिक सायबर ठगी का शिकार होने पर टोल फ्री नम्बर 1930 पर अविलम्ब जानकारी दें ताकि नियमानुसार कार्यवाही शीघ्रता से संपादित हो सकें।

कलेक्टर के निर्देश पर स्कूल भवन के सामने का रास्ते का निमणि

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने ग्राम पंचायत पिपरिया अजित के स्कूल का भ्रमण विगत दिनों किया था। स्कूली विद्यार्थियों को स्कूल भवन के सामने उबड़-खाबड़ होने से आने जाने में होने वाली दिक्कतों की ओर कलेक्टर का ध्यान आकर्षित कराया था। स्कूली बच्चों की मूलभूत समस्या का शीघ्रता से हल कराने का अश्वासन कलेक्टर द्वारा दिया गया था।

कलेक्टर के निर्देश का अनुपालन कराते हुए कार्य पूर्ण हुआ है। विदिशा जनपद पंचायत सीईओ जितेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि पिपरिया अजीत भ्रमण में प्राथमिक शाला भवन में सीसी रोड का निर्माण करा जा चुका है।

चयनित पटवारियों की काउंसलिंग, प्रशिक्षण कार्यक्रम नर्मदापुरम में

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा गठित समिति के सदस्यों चयनित पटवारियों की काउंसलिंग की गई है। विदिशा जिले के लिए चयनित 13 नवीन पटवारियों के दस्तावेंज अभिलेखो का सत्यापन कार्य नवीन कलेक्ट्रेट के भूतल स्थित सभागार में सोमवार को सम्पन्न हुआ है। अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती कृष्णा रावत ने बताया कि सभी चयनित 13 पटवारियो के दस्तावेज पात्र पाए गए है। चयनितो में चार विदिशा जिले के शेष अन्य जिलो के पटवारी शामिल है।

कुरवाई में कांग्रेस की गुटबाजी को बढ़ावा दे रहे हैं बड़े नेता

कुरवाई । कुरवाई विधानसभा क्षेत्र में एक पूर्व प्रत्याशी के घर हर बड़े नेता को ले जाकर स्वागत समारोह करना और पूर्व विधायक कुरवाई ,पूर्व प्रत्याशी कांग्रेस पार्टी कुरवाई या अन्य वरिष्ठ नेता वरिष्ठ नेताओं को अपने घर ले जाकर उनका स्वागत करना चाहते हैं लेकिन जानबूझकर मात्र एक प्रत्याशी जो रिकार्ड मतों से चुनाव हारे उनके घर ले जाकर और दूसरे वरिष्ठ नेताओं को नाराज करके कांग्रेस के कुछ बड़े नेता कुरवाई को और अधिक डुबाना चाहते हैं। ऐसा एक बार नहीं अनेकों वार हो चुका है पूर्व विधायक ओर पूर्व प्रत्याशी कांग्रेस पार्टी इन सभी को कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेता को गुमराह कर रहे हैं और पता नहीं किन निजी सोच से केवल एक प्रत्याशी को समर्थन कर रहे हैं ।

जिले की गौशालाएं आत्म निर्भरता की ओर अग्रसर

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा जिले की सभी गौशालाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए विशेष पहल की जा रही है। उन्होंने चरनोई भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाने का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से लेते हुए अतिक्रमण से मुक्त कराई गई भूमि संबंधित गौशाला से टाइअप करते हुए विमुक्त कराई गई भूमि पर गौशाला संवर्धन के कार्य खासकर हराचारा उत्पादन के लिए कराए जाने हेतु गौशालाओं को घास की बीज भी उपलब्ध कराए जा रहे है। कलेक्टर श्री सिंह ने विगत दिनो ग्यारसपुर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत कोलुआधामनोद की गौशाला का निरीक्षण किया था और गौशाला को आत्म निर्भर बनाने के लिए विशेष पहल सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए थे। कलेक्टर के निर्देशो के अनुपालन में की गई कार्यवाहियों की जानकारी देते हुए ग्यारसपुर जनपद पंचायत के सीईओ जितेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि गौशाला के गोबर से गौकाष्ट प्लांट तैयार किया गया है वहीं पहले से वर्मीकम्पोज्ट प्लांट क्रियाशील हैं भविष्य में गोबर से विभिन्न कलाकृतियों को बनाए जाने हेतु गौशाला से संवद्ध समूह के महिला सदस्यों को प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि ग्राम पंचायत कोलुआधामनोद की यह गौशाला जिले में आत्म निर्भर क्षेत्र के मायनो में अग्रणी हो।

अब घर बैठे मिलेगा मृत्यु प्रमाण-पत्र

सिरोंज नपा सिरोंज द्वारा माननीय विधायक महोदय के निर्देशानुसार नगरीय क्षेत्र अंतर्गत किसी परिवार के किसी भी सदस्य की मृत्यु प्रांत उसकी मृत्यु प्रमाण-पत्र जारी कर उसको घर पर दिए जाने के निर्देश पालन में आज दिनांक 11.02.2025 को स्वर्गीय श्री सोटर पुत्र गोरेलाल निवासी वार्ड 12 सिरोंज की मृत्यु उपरांत निकाय द्वारा कर्मचारी घर जाकर फॉर्म पूर्ण किया गया उसके उपरांत उसका मृत्यु प्रमाण पत्र आज नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू वार्ड, पार्षद पति धर्मेंद्र जैन, मुख्य नगर पालिका अधिकारी राम प्रकाश साहू द्वारा मृतक के परिवार के घर जाकर मृत्यु प्रमाण-पत्र की प्रति मृतक के परिवार के सदस्यों को प्रदान की गई।

मेट्रो एंकर श्रद्धा समर्पण के साथ मनी पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि

बूथ केंद्रों पर आयोजित कार्यक्रमों में भाजपा कार्यकर्ताओं ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

एकात्म मानववाद के प्रणेता,जनसंघ के संस्थापक सदस्य तथा भारतीय जनता पार्टी के प्रेरणा पुंज पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि मतदान केंद्रों पर समर्पण दिवस के रूप में मनाई गई। नगर में वार्ड के अंतर्गत आने वाले बूथ केंद्रों के सम्मिलित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल जी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके बताए एकात्म मानववाद के मार्ग पर चलते हुए राष्ट्र के कल्याण का संकल्प लिया।

भाजपा संगठन द्वारा बूथ केंद्रों

पर आयोजित कार्यक्रमों के लिए नेताओं को वक्ता के तौर पर भेजा गया था। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव ने कहा कि राजनीति के अजात शत्रु कहे जाने वाले दीनदयाल उपाध्याय के दिखाए जनकल्याण के मार्ग का अनुसरण करके ही भाजपा की सरकारें अंतिम

छोर के व्यक्ति के कल्याण के लिए योजनाओं को साकार कर रही है। आज उनकी पुण्यतिथि को हम समर्पण दिवस के रूप में भी मनाते हैं। हम राष्ट्र को अपने सिरोंज लटेरी विधानसभा क्षेत्र को विकसित बनाने में अपना योगदान दे। उन्होंने कहा कि हमारे विधायक उमाकांत जी शर्मा भी क्षेत्र के सर्व वर्ग के कल्याण के लिए दिनरात परिश्रम की पराकाष्ठा कर रहें हैं। वहीं एक अन्य कार्यक्रम में बूथ अध्यक्षों ने कार्यक्रम करते हुए वार्ड में निवासरत समाज की अंतिम छोर के नागरिकों का भाजपा की टोपी पटका एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ बूथ केंद्र के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चेतना उद्यान में किया माल्यार्पण - पंडित दीनदयाल जी की पुण्यतिथि पर सुबह भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल के कार्यकर्ताओं ने लटेरी रोड स्थित दीनदयाल मानस उद्यान में एकत्रित होकर पंडित दीनदयाल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर रमेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी संगठन की रीति नीति से अवगत कराते हुए दीनदयाल उपाध्याय के दिए एकात्म मानववाद के सिद्धांत को चरितार्थ करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण करने की विचारधारा को अंगीकार करते हुए जनकल्याण में सहभागिता करने की बात कही। इस अवसर पर नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, नपाउपाध्यक्ष मनोज साईंनाथ, कामराज पाटीदार, सचिन शर्मा, सहित जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण उपस्थित रहे।

इस सीजन टोटेनहेम के मिकी सबसे तेज फुटबॉलर

इंग्लिश प्रीमियर लीग
37.1 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से खेले अब तक कार्लोस दूसरे स्थान पर

लंदन. एजेंसी

इंग्लिश प्रीमियर लीग के इस सीजन अब तक खेले गए 70 मैचों के आंकड़ों पर नजर डालें तो टोटेनहेम हॉटस्पर्स के स्टार खिलाड़ी मिकी वान डे वेन सबसे तेज फुटबॉलर रहे हैं। प्रीमियर लीग में उन्होंने 37.1 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार दर्ज की है, जो इस सीजन सबसे तेज है। इस बीच वोल्वस के कार्लोस फोर्ब्स दूसरे नंबर पर हैं, जिन्होंने 36.6 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से खेल दिखाया है। मैनचेस्टर सिटी के स्टार खिलाड़ी और कई रेकॉर्ड अपने नाम कर चुके अर्लिंग हॉलैंड 35.7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के साथ इस सूची में चौथे नंबर पर हैं।

हॉलैंड दौड़े 28.2 किमी

आंकड़ों के अनुसार प्रीमियर लीग के अब तक खेले मैचों में मैनचेस्टर सिटी के अर्लिंग हॉलैंड ने 28.2 किलोमीटर की दूरी तय की। इस मामले में वेस्ट हेम के मैक्स किलमेन 27.5 किमी के साथ दूसरे नंबर पर हैं। टोटेनहेम के क्रिस्टियन रोमेरो 27.1 किमी के साथ तीसरे स्थान पर बने हुए हैं।

अब तक सर्वाधिक दूरी तय करने वाले फुटबॉलर: प्रीमियर लीग मैचों में 630 मिनट में साउथम्पटन के फ्लाइन डाउन ने कुल 84.2 किलोमीटर की दूरी तय की। इस मामले में वे इस सीजन आगे चल रहे हैं।

नहीं टूटा कुलुसेवस्की का रेकॉर्ड: लीग के एक मैच में सर्वाधिक दूरी तय करने का डेजान कुलुसेवस्की का रेकॉर्ड अब तक कोई तोड़ नहीं पाया है। डेजान ने पिछले सीजन मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ खेले गए मैच में पूरे 13.2 किमी की दूरी तय की थी।

खिलाड़ी क्लब	अधिकतम गति (किमी/घंटा)
मिकी वान डे वेन	टोटेनहेम 37.1
कार्लोस फोर्ब्स	वोल्वस 36.6
एंथोनी एलांगा	नॉटिंघम फोरेस्ट 35.9
अर्लिंग हॉलैंड	मैनचेस्टर सिटी 35.7
गेब्रियल मार्टिनेली	आर्सेनल 35.6

खिलाड़ी क्लब	दूरी (किलोमीटर)
फ्लाइन डाउंस	साउथम्पटन 84.2
ब्रूनो गुइमारेस	न्यूकैसल 77.8
काइ हार्वेट्ज	आर्सेनल 77.0
ड्विट मैक्नेल	एवर्टन 76.7
जेम्स जस्टिन	लीसेस्टर 76.0

लाहौर की लापरवाही: चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पर खतरा

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से ठीक पहले उसके खोखले दावों की पोल खुल गई है। लंबे समय बाद पाकिस्तान में कोई आईसीसी टूर्नामेंट का आयोजन होने वाला है। इसके लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की तैयारियां अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। कई मैदान अभी तक खेलने लायक नहीं बन पाए हैं,जिसमे तरह तरह की कमियां उजागर हो रही हैं। आईसीसी से मिले 1200 करोड़ की राशि से पाकिस्तान बोर्ड को अपने 3 मैदानों का कायाकल्प करना था,जिसमें लाहौर,कराँची ओर रावलपिंडी शामिल थे।चैंपियंस ट्रॉफी में होने वाले कुल 15 मैचों में से 10 मैचों की तय मेजबानी का जिम्मा पाकिस्तान को मिला है,जबकि 4 मैच दुबई में खेले जायेंगे।

वहीं चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल हाल फिलहाल में दुबई ओर पाकिस्तान के बीच अनिश्चित है,क्योंकि अगर टीम इंडिया फाइनल खेलती है तो फिर चैंपियंस ट्रॉफी का निर्णायक मुकाबला दुबई में ही खेल जायेगा।पाकिस्तान में खेले जाने वाले इन मुकाबलों में 3-3मैच कराँची ओर रावलपिंडी में खेले जायेंगे, वहीं 4 मैचों की मेजबानी का जिम्मा लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम को मिला है।इसी बीच पाकिस्तानी टीम साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के साथ त्रिकोणीय सीरीज को भी शुरुआत कर चुकी है, लेकिन लाहौर में खेले गए टूर्नामेंट के पहले ही मैच में एक ऐसा दर्दनाक हादसा हो गया, जिसके बाद पाकिस्तान बोर्ड की लापरवाही अब मैदान पर नजर आने लगी है।भले ही पाकिस्तान बोर्ड ने सीरीज के दूसरे मैच को दिन की रोशनी में करवाकर तैयारियों की लापरवाही पर पर्दा डालने का नया तरीका अपनाया है,लेकिन सच तो यही है कि।दरअसल पाकिस्तान में होने वाले इस टूर्नामेंट के ठीक पहले वह त्रिकोणीय वनडे सीरीज में आईसीसी की आर्थिक मदद से तैयार किये गए मैदानों की कलई खोल कर रख दी है।

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में दो दिन पूर्व हुए फ्लड लाइट हादसे पर पर्दा डालने के मद्देनजर सोमवार को त्रिकोणीय सीरीज का दूसरा मैच डे नाइट की जगह दिन के मैच परिवर्तित करना इसी तरफ इशारा करता है।भले ही पाकिस्तान बोर्ड अपनी तैयारियों की कमियों को कबूल न करे लेकिन ऐसा बताया जा रहा है कि शनिवार को इस सीरीज के खेले गए मैच में रचिन रविन्द्र के घायल होने की वजह गद्दाफी स्टेडियम की फ्लड लाइट की तकनीकी खामियां रही थी।न्यूजीलैंड के शानदार युवा फील्डर की चोट की वजह लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की फ्लडलाइट्स में गेंद को ट्रैक करने में कठिनाई रही थी।जिस तरह की खबरें निकल कर आ रही हैं उसके हिसाब से यह बात तय है कि गद्दाफी स्टेडियम की फ्लड लाइट की ऊंचाई और इस्तेमाल की जाने वाली लाइट के तय तकनीकी मापदंड में बड़ी लापरवाही बरती गई है।

दरअसल लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में दर्शक दीर्घा को भले ही कितना भी सुधार कर दिया गया हो,लेकिन दिन रात के मैचों का सबसे अहम पहलू फ्लड लाईट की चूक ने पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। फ्लड लाईट के संदर्भ में ऐसा बताया जा रहा है कि गद्दाफी स्टेडियम में 4500 की जगह 6000 केल्विन पॉवर की लाइट का इस्तेमाल किया गया है जिसकी वजह से रोशनी में सफेदी अधिक हो गई है,चूंकि दिन रात के मैच सफेद गेंद से खेले जाते हैं जिस वजह से गेंद की दृश्यता में परेशानी हुई है।चूक सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं रही है,अगर तकनीकी बात करें तो फिर इस तरह की लाईट के उपयोग के लिए पोल की ऊंचाई जहां 25 से 35 मीटर के बीच होना थी वहीं गद्दाफी में इसको पुराने 50 मीटर के खंबों पर ही लगा दिया गया।

त्रिकोणीय सीरीज में 2 के बाद अब बचे हुए दो मैचों का आयोजन कराँची में होगा,लेकिन लाहौर की लापरवाही पर आईसीसी क्या निर्णय लेता है।अब चैंपियंस ट्रॉफी के लिए इतने कम समय में लाहौर में होने वाले 4 या 5 मैच (जिसमे संभावित फाइनल मुकाबला)को दिन की रोशनी में कराया जाता है या फिर इन मैचों की मेजबानी किसी दूसरे सेंटर को दी जाती है। हाल फिलहाल मेंजिस अंदाज में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के मार्गदर्शन में चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी को अंजाम दिया गया है,वह किसी भी नजरिये से ठीक नहीं कह जा सकते हैं।अब आईसीसी को चैंपियंस ट्रॉफी में खिलाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फैसला करना है।

नेशनल गेम्स मेडल टैली में टॉप पर सर्विसेज, उत्तराखंड के पास 14 गोल्ड

देहरादून. एजेंसी

उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों के तहत कई प्रतियोगिताएं हो रही है, जिसमें देशभर के खिलाड़ी भाग ले रहे है. इनमें से कई प्रतियोगिताएं समाप्त हो चुकी है. जबकि, कई प्रतियोगिताएं अभी चल रही है. अगर नेशनल गेम्स मेडल टैली यानी पदक तालिका की बात करें तो सर्विसेज पहले नंबर पर आ गई है. जिसके पास 42 गोल्ड मेडल आ चुके हैं. जबकि, दूसरे नंबर पर अभी भी कर्नाटक है. वहीं, तीसरे नंबर पर अभी भी महाराष्ट्र काबिज है. वहीं 38वें राष्ट्रीय खेलों के 12वें दिन उत्तराखंड ने भी छलांग लगाई है और 11 से छठवें नंबर पर अपनी जगह बनाई है.

नेशनल गेम्स मेडल टैली में टॉप पर सर्विसेज: बता दें कि सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड 42 गोल्ड, 16 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज मेडल के साथ मेडल टैली यानी पदक तालिका में नंबर वन पर आ गया है. अभी तक सर्विसेज के खाते में कुल 71 मेडल आ

चुके हैं. जबकि, दूसरे नंबर पर कर्नाटक है. कर्नाटक के पास 30 गोल्ड, 12 सिल्वर और 16 ब्रॉन्ज मेडल आ चुके हैं. इस तरह से कर्नाटक की झोली में 58 मेडल गिर चुके हैं. वहीं, तीसरे नंबर पर महाराष्ट्र है. महाराष्ट्र के पास 25 गोल्ड, 42 सिल्वर और 46 ब्रॉन्ज मेडल आ चुके हैं. इस तरह से महाराष्ट्र सबसे ज्यादा 113 मेडल जीत चुका है. सबसे ज्यादा मेडल महाराष्ट्र ने ही झटके हैं, लेकिन गोल्ड में पिछड़ने की वजह से महाराष्ट्र मेडल टैली में तीसरे नंबर पर है.

उत्तराखंड के खाते में आ चुके 14 गोल्ड: वहीं, अगर उत्तराखंड की बात करें तो अभी तक 14 गोल्ड, 22 सिल्वर और 26 ब्रॉन्ज मेडल आ चुके हैं. इस तरह से अभी तक 62 मेडल उत्तराखंड की झोली में आ चुके हैं. मेडल टैली की बात करें तो उत्तराखंड 6वें नंबर पर है.

दूसरा टेस्ट: ऑस्ट्रेलिया ने बनाई 73 रन की बढ़त, स्मिथ का लगातार दूसरा शतक

लंदन. एजेंसी

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पुष्टि की है कि इंग्लैंड की पुरुष टीम 26 फरवरी को लाहौर में अफगानिस्तान के खिलाफ आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का मैच खेलेगी। गौरतलब है कि ब्रिटिश सांसदों के एक समूह ने तालिबान शासन के तहत महिलाओं के गंभीर उत्पीड़न का हवाला देते हुए अफगानिस्तान के खिलाफ मैच के बहिष्कार की मांग की थी। हालांकि ईसीबी ने स्पष्ट कर दिया है कि इंग्लैंड की टीम अफगानिस्तान के खिलाफ मैच जरूर खेलेगी। स्टीव स्मिथ (नाबाद 120) और एलेक्स केरी (नाबाद 139) की शतकीय पारियों से ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन श्रीलंका के खिलाफ 3 विकेट खोकर 330 रन बना लिए। स्मिथ ने लगातार दूसरे मैच में शतक जड़ा। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका पर 73 रन की बढ़त हासिल की। स्मिथ ने एशियाई धरती पर सातवां टेस्ट शतक लगाया है। वे एशिया में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने दिग्गज एलेन बॉर्डर के छह शतक के रेकॉर्ड को तोड़ा।

मेट्रो बाजार

शेयर बाजार में इस हफ्ते तेजी का अनुमान

रिटेल महंगाई से लेकर दिल्ली में नई सरकार जैसे फैक्टर्स तय करेंगे बाजार की चाल

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में इस हफ्ते तेजी का अनुमान है। रिटेल और थोक महंगाई के आंकड़ों से लेकर इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन औपर फॉरेन इन्वेस्टमेंट जैसे फैक्टर्स पर बाजार की नजर रहेगी। शनिवार को आए दिल्ली चुनाव के नतीजों के बाद सोमवार को बाजार ऊपर खुल सकता है।

यह है फैक्टर्स : जनवरी महीने के रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी किए जाएंगे, जिस पर बाजार की नजर रहेगी। खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से दिसंबर में रिटेल महंगाई दर 4

महीने के निचले स्तर 5.22त पर आ गई थी। नवंबर में महंगाई दर 5.48 फीसदी पर थी। जनवरी महीने के थोक महंगाई के आंकड़े 14 फरवरी को जारी होंगे। दिसंबर महीने में थोक महंगाई बढ़कर 2.37 फीसदी पर पहुंच गई थी। इससे पहले नवंबर में ये 1.89 फीसदी पर थी। आलू, प्याज, अंडे, मांस-मछली और फलों की थोक में कीमतें बढ़ीं थी। वहीं नवंबर में आईआईपी बढ़कर छह महीने के उच्चतम स्तर 5.2 फीसदीपर पहुंच गया था। अक्टूबर में यह 3.7 फीसदी मैन्युफैक्चरिंग, कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में तेजी के साथ फेवरेबल बेस इफेक्ट था। आईआईपी में 78 फीसदी हिस्सेदारी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ही है। मैन्युफैक्चरिंग, यानी उद्योगों में जो बनता है, जैसे गाड़ी, कपड़ा, स्टील, सीमेंट जैसी चीजें। नवंबर में मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ आठ महीने के उच्चतम स्तर 5.8त पर पहुंच गई थी। दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के रिजल्ट आए। भाजपा ने 26 साल बाद स्पष्ट बहुमत हासिल किया। भाजपा ने 48 और आम आदमी पार्टी ने 22 सीटें जीतीं। बीजेपी की जीत से बाजार में पॉजिटिव माहौल है।

...इसलिए फेल हो जाते हैं ज्यादातर स्टार्टअप

मुंबई, एजेंसी

स्टार्टअप्स की सफलता ने युवाओं के सपनों को नए पंख लगा दिए हैं। देश के अधिकतर युवा अब जीवनभर नौकरी करने की चाहत नहीं रखते है, बल्कि अपनी किस्मत खुद लिखना चाहते हैं। कॉलेज से निकलने वाले अधिकतर युवा (फ्रेशर) अब अपना उद्यम शुरू करना चाह रहे हैं। एआइ आधारित रिक्रूटमेंट ऑटोमेशन फर्म हायर प्रो के अध्ययन में पता चला है कि देश के 67 फीसदी छात्र ग्रेजुएशन पूरा करने के 10 वर्षों के भीतर अपना कारोबार (स्टार्टअप) शुरू करना चाहते हैं।

यहां आ रही दिक्कत: स्टार्टअप के शुरुआती चरण में अधिकतर स्टार्टअप फाउंडर्स के पास मैनपावर का अभाव। स्टार्टअप फाउंडर्स के पास कोई मेंटर ही नहीं होता जो बता सके कि कब क्या करना है। फाइनेंस और कानूनी मोर्चे पर मार्गदर्शक का अभाव। अधिकतर एंटरप्रेन्योर्स को यह गलतफहमी रहती है कि स्टार्टअप के सफल होने के लिए उत्पाद को लेकर इनकी विशेषज्ञता ही काफी है। स्टार्टअप इकोसिस्टम में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण बाजार की मांग और जरूरत के हिसाब से प्रोडक्ट डेवलप नहीं करना। प्रोडक्ट कितना भी अच्छा हो, खराब मार्केटिंग स्ट्रैटजी स्टार्टअप को सफल नहीं होने देती।
कॉलेज दे रहे साथ: रिपोर्ट में कहा है कि खुद का उद्यम शुरू करने की युवाओं के इस सपने को कॉलेजों से भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। वहां उन्हें उद्यमिता का पाठ पढ़ाया जा रहा। सर्वे के मुताबिक, 36त से अधिक संस्थान उद्यमिता आधारित पाठ्यक्रम पेश करते हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

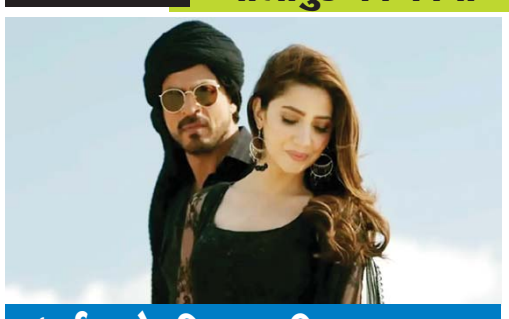

'रईस' के लिए *माहिरा* का नाम शाहरुख की सास ने सुझाया था

शाहरुख खान की फिल्म 'रईस' 2017 में रिलीज हुई थी, इस फिल्म में उनके अपोजिट पाकिस्तानी एक्ट्रेस माहिरा खान ने काम किया था। माहिर के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने पसंद भी किया था। लेकिन माहिरा का नाम फिल्म की हीरोइन के लिए कैसे सेलेक्ट हुआ, कौन था वह शख्स जिसने फिल्म रईस के लिए माहिरा का नाम सुझाया। शाहरुख खान के साथ हर एक्ट्रेस काम करना चाहती है। उनके साथ रोमांस करने का ख्वाब देखती है। लेकिन अगर यह मौका खुद चलकर सामने से आए तो किसी भी एक्ट्रेस के लिए यह बहुत बड़ी बात होगी। ऐसा ही कुछ पाकिस्तानी एक्ट्रेस माहिर खान के साथ भी हुआ। दरअसल, फिल्म रईस में उनकी कास्टिंग शाहरुख की सास के कारण हुई।

सास देखती थीं पाकिस्तानी सीरियल

हाल ही में एक इंटरव्यू में फिल्म रईस के डायरेक्टर राहुल ढोलकिया ने माहिरा खान के सेलेक्शन के बारे में बताया। वह कहते हैं, हम फिल्म रईस के लिए शाहरुख के अपोजिट हीरोइन की तलाश कर रहे थे। इसी बीच शाहरुख खान की सास ने हमें माहिरा खान का नाम सुझाया। उन्होंने कहा यह अच्छी लड़की है। असल में शाहरुख की सास काफी पाकिस्तानी सीरियल दिखती थीं। इस तरह से हमें अपनी 'रईस' के लिए माहिरा खान के तौर पर हीरोइन मिल गई।

शाहरुख ने भी की थी तारीफ

फिल्म में काम करने को लेकर माहिर खान उस समय काफी खुश थी लेकिन उन्हें घबराहट भी थी कि दर्शक शाहरुख और उनकी जोड़ी को पसंद भी करेंगे या नहीं? इस पर शाहरुख ने उन्हें भरोसा दिलाया था कि दोनों की जोड़ी पर्दे पर कमाल की लगेगी। बाद में यह बात सच भी साबित हुई। दर्शकों ने फिल्म रईस में शाहरुख और माहिर खान की जोड़ी को खूब सराहा। माहिर खान को जब फिल्म रईस में काम करने का मौका मिला था, उनकी भी खुशी का ठिकाना नहीं रहा था। यह उनके लिए बतौर एक्ट्रेस बहुत बड़ी बात थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में माहिर ने कहा कि उन्होंने शाहरुख से एक अहम सबक सीखा कि खुशियों को मौका दो।

'सन ऑफ सरदार 2' में विजय राज की जगह अभिनेता संजय मिश्रा को मिला किरदार

'सन ऑफ सरदार 2' फिल्म में अजय देवगन के साथ संजय मिश्रा को देखा जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार संजय मिश्रा को विजय राज की जगह मिली। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में कैसे उन्हें अजय देवगन के कहने पर रोल मिला था। फिल्म में संजय मिश्रा को विजय राज की जगह किरदार मिला। इस हेर फेर को लेकर संजय मिश्रा ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो यह सब बिजनेस का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि उन्हें अजय देवगन का फोन आया था। अभिनेता का वह एक कॉल ही उन्हें फिल्म में आने और विजय राज को बाहर करने के लिए काफी था।
मेरे अच्छे अभिनय पर ध्यान दिया: संजय मिश्रा ने कहा कि मैं फिल्म में विजय राज की जगह आए थे इसलिए उनके दिमाग में एक ही बात थी। उन्होंने कहा कि मेरे दिमाग में था कि मुझे अच्छा अभिनय करना चाहिए और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए क्योंकि मैंने विजय जैसे बेहतरीन अभिनेता की जगह ली है। वह दर्शकों और अजय को निराश नहीं करना चाहते, जिन्हें उन पर इतना भरोसा था। एक रिपोर्ट के अनुसार अजय देवगन की फिल्म में विजय राज आने वाली फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे थे, खबरों की मानें को उन्हें फिल्म से हटा दिया गया है। वहीं, उनकी जगह संजय मिश्रा के कहा कि उन्होंने 'सन ऑफ सरदार 2' में अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। संजय मिश्रा ने कहा कि विजय राज उनके दोस्त हैं इसलिए फिल्म में उनकी जगह लेना उनके लिए आसान नहीं था। फिल्म में विंदू दारा सिंह, चंकी पांडे, संजय मिश्रा, नीरू बाजवा, दीपक डोबरियाल, मुकुल देव, कुबरा सैत, शरत सक्सेना, अश्विनी कालसेकर और रोशनी वालिया जैसे कई कलाकार नजर आएंगे। अजय और संजय के प्रशंसक लंबे समय से इसके सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और हो सकता है कि यह फिल्म अगले साल रिलीज हो जाए।

'सिंघम अगेन' में हिस्सा न होने पर काजल ने तोड़ी चुप्पी

'सिंघम' फिल्म में काजल अग्रवाल ने अजय देवगन के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था। काजल अग्रवाल को इस फिल्म के जरिए हिंदी सिनेमा में प्रशंसकों का प्यार भी मिला था। इसके बाद प्रशंसकों को काजल अग्रवाल को सिंघम अगेन में देखने की इच्छा थी। हालांकि, वह इस फिल्म का हिस्सा नहीं है, इसको लेकर उन्होंने बात की है। काजल ने कहा कि वह फिल्म का हिस्सा क्यों नहीं हैं, इसका जवाब देना थोड़ा मुश्किल है। वे चाहती थीं कि सिंघम अगेन का हिस्सा बनें। काजल ने कहा, एक एक्टर के तौर पर हम सभी को फिल्मों की जरूरत है। हम हमेशा यही चाहते हैं कि हम बनने वाली हर फिल्म का हिस्सा हों। काजल ने कहा कि कॉप यूनिवर्स पर बनी फिल्में देखने में काजल को मजा आता है। रोहित शेट्टी ऐसी फिल्मों को बहुत ही अच्छे से बनाते हैं। काजल ने कहा, मैं सिनेमा की दुनिया में रोहित शेट्टी की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। हालांकि, मैं उनसे टच में नहीं हूं। हर कोई व्यक्ति अपने काम में बिजी रहता है लेकिन जब भी हम मिलते हैं। वही मस्ती-मजाक और बातें हमारे बीच में होती हैं। काजल ने कहा कि अजय देवगन और रोहित शेट्टी के साथ काम करना मेरे लिए बहुत शानदार अवसर था। मुझे उस फिल्म के जरिए हिंदी सिनेमा में प्रशंसकों का प्यार मिला है।

रिलायंस आउटलेट में कर्मचारी था, नहीं करना चाहता था विवाह

परिजन बना रहे थे शादी करने का दबाव, ट्रेन से कटकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बाग सेवनियां थाना क्षेत्र स्थित नारायण नगर रेलवे ट्रेक पर सोमवार शाम रिलायंस आउटलेट के कर्मचारी ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। वह काम पर जाने के लिए निकला था लेकिन काम पर पहुंचा नहीं था। हालांकि कारणों का खुलासा नहीं हो सका है लेकिन माना जा रहा है कि परिजनों के दबाव के चलते उसने आत्महत्या की है। परिजन उस पर शादी करने का दबाव बना रहे थे जबकि वह फिलहाल शादी नहीं करना चाहता था।

पुलिस का कहना है कि सुसाइड नोट नहीं मिला है। जांच के बाद ही कारण सामने आ सकेंगे। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से अमरावद खुर्द, बरेली जिला रायसेन निवासी मुकेश अहिरवार (21) यहां ललिता नगर कोलार में किराए का कमरा लेकर रह रहा था और रानी कमलापति स्टेशन के पास रिलायंस आउटलेट में नौकरी करता था।

नारायण नगर के पीछे रेलवे ट्रेक

सोमवार शाम उसका शव बाग सेवनियां स्थित नारायण नगर के पीछे रेलवे ट्रेक से बरामद हुआ है। उसका सिर बुरी तरह से पिचका हुआ था। एक पैर टूट चुका था जबकि शरीर में जगह-जगह चोट थी। पुलिस का कहना है कि संभवतः ट्रेन के आगे खड़े होकर युवक ने आत्महत्या की है।

चचेरे भाई से हुई थी बात

एएसआई भूपेन्द्र पाठक ने बताया सोमवार दोपहर करीब 12 बजे मुकेश की अपने चचेरे भाई से मोबाइल पर बात हुई थी। चचेरे भाई ने उससे कहा था कि वह काम पर है और उसकी पत्नी भी घर पर नहीं है। मुकेश ने कहा उसका भी मन ड्यूटी जाने का नहीं है।

काम दिलाने के बहाने युवती से दुष्कर्म, शादी का दबाव बनाया तो पीटा, गिरफ्तार

भोपाल। ऐशबाग पुलिस ने 23 साल की युवती की शिकायत पर लिव-इन पार्टनर के खिलाफ बलात्कार व दैहिक शोषण की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी ने काम दिलाने का बहाना कर युवती का रायसेन से भोपाल बुला लिया था। इसके बाद शादी का झांसा देकर करीब सात माह तक दुष्कर्म करता रहा। बीते दिनों जब युवती ने शादी का दबाव बनाया तो आरोपी ने पीड़िता के साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से जिला रायसेन निवासी 23 साल की युवती की पहचान करीब एक साल पहले एक कार्यक्रम में अमीन अली नामक युवक से हुई थी। अमीन पिपलानी इलाके का रहने वाला है और वैल्डिंग का काम करता है। पहचान जल्द ही दोस्ती में बदल गई और दोनों मोबाइल पर बात करने लगे। इस बीच काम दिलाने का बहाना बनाकर अमीन ने युवती को भोपाल बुला लिया और पुष्पा नगर में किराए का कमरा दिला दिया। युवक का कमरे पर आना-जाना लगा रहा। इस बीच उसने युवती के सामने प्रेम-प्रस्ताव रखकर शादी करने का भरोसा दिलाया। युवती उसकी बातों में आ गई। जुलाई 2024 में अमीन पुष्पा नगर स्थित कमरे पर पहुंचा और युवती से जबरन संबंध स्थापित किए। आरोपी ने जल्द ही शादी करने का झांसा दिया और पुष्पा नगर में युवती के साथ लिव-इन में रहने लगा। पिछले सात माह के दौरान आरोपी ने कई बार युवती से संबंध बनाए। पीड़िता ने जब भी शादी का दबाव बनाया, वह कोई न कोई बहाना बनाकर टाल-मटौल करने लगा। पिछले दिनों इसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर अमीन अली ने युवती के साथ मारपीट कर दी। पीड़ित युवती ऐशबाग थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ बलात्कार व दैहिक शोषण समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज करा दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

दाल-चावल खाकर सोया युवक सुबह नहीं उठा, एम्स में डॉक्टर बोले-हुई मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित संत आशाराम नगर फेस थ्री में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रात में ऑफिस से आने के बाद उसने दाल चावल खाया था।

इसके बाद सो गया। सुबह नींद नहीं खुलने पर मां और पिता उसे एम्स लेकर पहुंचे तो पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। अनुमान है कि उसकी मौत हार्ट अटैक से हुई है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।

पुलिस के अनुसार अतुल आर्य पिता रवि आर्य (27) संत आशाराम नगर फेस थ्री, कटारा हिल्स में रहता था। अतुल निजी फायनेंस कंपनी में नौकरी करता था, जबकि पिता आटो चलाते हैं। अतुल के पिता रवि आर्य ने बताया कि उनकी बड़ी बेटी है और छोटा इकलौता बेटा अतुल था। अतुल सोमवार रात करीब 11 बजे ऑफिस से आया था।

सुबह मां ने उठाया तो शरीर में नहीं थी हलचल

हादसे में बाइक सवारों को गंभीर चोट आई

उसने मां से खाना मांगा और दावल चावल खाने के बाद सो गया। वे सुबह उठे और पूजा पाठ कर रहे थे। सुबह करीब सा? 8 बजे अतुल को उठाने के लिए मां कमरे में पहुंची। मां ने आवाज दी, लेकिन रवि की नींद नहीं खुली। मां ने रवि को हिलाया और जगाने का प्रयास किया, लेकिन उसके शरीर में हलचल नहीं हुई। मां ने शोर किया तो पिता अंदर कमरे में पहुंचे। इसके बाद पड़ोसी की मदद से अतुल को एम्स ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद अतुल को मृत घोषित कर दिया।

मासूम से दुष्कर्म, आरोपी को 20 साल का सश्रम कारावास, दो हजार का जुर्माना भी लगाया

भोपाल। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) कुमुदिनी पटेल की अदालत ने 4 साल की मासूम से दुष्कर्म करने वाले एक आरोपी को 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही आरोपी पर विभिन्न धाराओं में दो हजार रूपए का जुर्माना भी न्यायालय ने लगाया है। लोक अभियोजन के अनुसार, 1 जून 2022 को पीड़ित बच्ची की मां ने मिसरोद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 31 मई 2022 को शाम 05:30 बजे वह अपनी क्लीनिक पर गई थी और बच्ची को अपनी दोस्त के घर छोडकर गई थी, शाम 07:30 बजे वापस आई तो बच्ची को घर लेकर आई। गर्मी होने के कारण जब उसे नहलाने ले गई तो बच्ची के निजी अंगों पर चोट नजर आई। पूछने पर बच्ची ने बताया कि जब वह अपने दोस्त के घर मे खेल रही थी तो उसके पिता ने यह हरकत की। मामले में पीड़ित बच्ची की मां ने क्षतिपूर्ति लेने से इंकार किया क्योंकि क्षतिपूर्ति उसकी बेटी के साथ हुई असहनीय घटना को बार-बार याद दिलायेगी। मामले में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजन दिव्या शुक्ला द्वारा पैरवी की गई।

पेंशनर्स का बकाया भुगतान करने बजट मे प्रावधान रावने की मांग

भोपाल। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी ने 18 वर्ष से लंबित छठवे वेतनमान के 32 माह एवं 8 वर्ष से लंबित सातवें वेतनमान के 27 माह के एरियर्स सहित वर्षों से लंबित अन्य मांगों की बकाया राशि का पेंशनरों को भुगतान करने बर्ष 2025-26 के बजट में प्रावधान करने की मांग शासन से की है। जोशी ने बताया कि वित्त विभाग की उदासीनता के कारण छठवें एवं सातवें वेतनमान के एरियर्स का लाभ अधिकांश पेंशनर को उनके जीवन काल में नहीं मिल पाया। जोशी ने शासन की मंशा पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए आरोप लगाया है कि शासन की नीति एरियर्स पाने वाले सभी पेंशनरों के दिवंगत होने के बाद आदेश जारी करने की है।

किसान ने पेड़ पर गमछे से लगाई फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित गांव रायपुर में एक किसान ने पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। करीब तीन महीने से उनका मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ था। उनके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार तखत सिंह जाट पिता स्वर्गीय दौलत सिंह जाट (36) गांव रायपुर, ईंटखेड़ी में रहते थे। वे खेती किसानी करते थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा दो बच्चे हैं।

परिजन ने बताया कि करीब तीन महीने से उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया था। उनका डॉक्टर आरएन साहू के पास इलाज चल रहा था। मंगलवार सुबह भी उन्हें डॉक्टर के पास ले जाना था। उनका साला और भतीजे ने उन्हें कहा था कि तैयार हो जाओ अस्पताल चलना है। वे तैयार होकर घर से निकल गए। भतीजे और साले को लगा कि वह खेत तरफ बीड़ी पीने गए होंगे। लिहाजा वे उनके आने का इंतजार करने लगे। काफी देर हो गई, लेकिन वह खेत से नहीं आए तो उनका भतीजा और साला उन्हें देखने खेत की तरफ गए। इस दौरान सुबह करीब साढ़े 9 बजे उन्हें खेत में लगे पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटका देखा। वे गमछे से पेड़ पर फांसी लगा चुके थे।

आधा दर्जन दोपहिया वाहन ले उड़े बदमाश

भोपाल। शहर के विभिन्न इलाकों से बदमाश आधा दर्जन दोपहिया वाहन चोरी कर ले गए। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है, लेकिन एक भी वारदात के आरोपियों का सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस के मुताबिक पिपलानी थानांतर्गत इंद्रपुरी स्थित रिलायंस डिजिटल के सामने से सलमान खान, जैन मंदिर रोड कोतवाली से अपूर्वा जैन, बीडीए कालोनी ईदगाह हिल्स शाहजहांनाबाद से उज्जवलकांत ठाकुर, कुंदन नमकीन घोड़ा नक्कास से सुनील कुमार जैन, गौतम नगर स्थित ग्रीनसिटी अस्पताल के सामने से अशोक कुमार और मयूर होटल के पास बैरागढ़ से कैलाश की बाइक चोरी चली गई। पुलिस सभी मामलों में आरोपियों की तलाश कर रही है।

व्हाट्सएप पर सट्टा बुक कर स्क्रीनशॉट मास्टर माइंड को भेज रहा बुकी धराया

क्राइम ब्रांच ने मोबाइल के अलावा नगदी भी जब्त की

भोपाल, दोपहर मेट्रो

क्राइम ब्रांच पुलिस ने जेपी नगर तिराहा के पास से मोबाइल पर सट्टा बुक करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी व्हाट्एप पर सट्टे का नंबर लिखकर मास्टर माइंड को भेज देता था। आरोपी के कब्जे से 3300 रुपए नगद भी बरामद किए हैं। आरोपी मास्टर माइंड की तलाश की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि जेपी नगर तिराहे पर सब्जी मंडी गेट के सामने मैदान में एक लड?ा अपने मोबाइल पर सट्टा लिख कर सट्टा ले रहा है। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंच गई। संदेही को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम भूपेन्द्र दांगी (32) निवासी व्यंजन ढाबा के सामने निशातपुरा का होना बताया।

तलाशी लेने पर उसकी जेब से मोबाइल मिला। चैक करने पर मोबाइल में व्हाट्सएप पर सट्टा अंक लिखे मिले। उसकी जेब से 3300 रुपए नगद भी मिले। पूछताछ करने पर उसने व्हाट्सएप पर सट्टा पर्ची लिखना कुबूल किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज विवेचना में लिया। आरोपी ने बताया कि वह व्हाट्सएप के माध्यम से सट्टा रज्जू अहिरवार को देता था। वही सट्टे का मास्टर माइंड है। पुलिस ने आरोपी रज्जू अहिरवार को भी आरोपी बनाया है। उसकी तलाश की जा रही है।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से दंपति घायल

भोपाल। जहांगीराबाद इलाके में एक तेज रफ्तार ने दंपति को टक्कर मार दी। पुलिस ने एक्सीडेंट का केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार मोहम्मद अल्ताफ (34) झदा कालोनी जहांगीराबाद में रहते हैं और पुताई का काम करते हैं। रात करीब एक बजे वह अपनी पत्नी फरहानाज और बच्ची के साथ दवाई लेने के लिए तलैया जा रहे थे। नीलम पार्क स्थित डीमार्ट के सामने एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे तीनों लोग बाइक समेत गिरकर घायल हो गए। फरहा को गंभीर चोट आई है, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने अल्ताफ की रिपोर्ट पर टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मेट्रो एंकर 1 से 11 तक प्रदेश में अभियान, ग्रामीण क्षेत्रों में साइबर अपराध पर जन जागरुकता

साइबर सुरक्षा अभियान सेफ क्लिक का समापन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 1 फरवरी से 11 फरवरी 2025 तक साइबर सेफ क्लिक इंटरनेट डे के अंतर्गत एक राज्यव्यापी अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का शुभारंभ 1 फरवरी को पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने किया। 11 दिवसीय इस साइबर सुरक्षा जन जागरुकता अभियान सेफ क्लिक को प्रदेशभर में जबरदस्त समर्थन मिला। अभियान का उद्देश्य डिजिटल युग में नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करना और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग को ब?ावा देना है।

अभियान में एक फरवरी से 11 फरवरी तक सुरक्षित क्लिक-सुरक्षित जीवन थीम पर सर्वव्यापी जागरुकता अभियान पूरे प्रदेश में संचलित किया गया। अभियान में नुक्कड़ नाटक, क्विज प्रतियोगिताएँ, जनसंवाद, साइबर सुरक्षा कार्यशालाएँ और जागरुकता रेलियां आयोजित की गई, जिनमें लाखों विद्यार्थियों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, किसानों एवं व्यापारियों को जागरूक किया गया। साइबर अपराध जैसे फिशिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी, सोशल मीडिया दुरुपयोग, बैंकिंग फ्रॉड और डिजिटल पेमेंट से जु? सुरक्षा उपायों पर भी विशेष जोर दिया गया। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने अभियान को सफल एवं और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आम नागरिकों से इस अभियान में अधिकाधिक भाग लेने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों से बचाव के लिए समाज के हर वर्ग को डिजिटल जागरूक रहने की आवश्यकता है।

प्रचार-प्रसार के सभी आधुनिक संसाधनों का उपयोग

साइबर सुरक्षा को लेकर नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने व्यापक जनजागृति अभियान चलाया गया, जिसमें आधुनिक प्रचार-प्रसार के संसाधनों का भरपूर उपयोग किया गया। इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर इसका प्रभावशाली प्रचार था। फेसबुक, ट्विटर (एक्स), इंस्टाग्राम, एफएम रेडियो और यूट्यूब जैसे प्रमुख डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हुए विशेष सामग्री पोस्ट की गई। इन पोस्ट्स में इन्फोग्राफिक्स, वीडियो, ऑडियो, लाइव सेशंस, साइबर सुरक्षा डॉक्यूमेंट्री, वेबिनार, लाइव सेमिनार, पॉडकास्ट और शॉर्ट फिल्मों को शामिल किया गया। अभियान के तहत विशेष हैशटैग कैंपेन चलाया गया, जिसने लाखों डिजिटल उपभोक्ताओं तक पहुँच बनाई। इस प्रयास के माध्यम से युवाओं और इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को साइबर खतरों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई और उन्हें डिजिटल सुरक्षा के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया।

एसी कोच से लेडीज पर्स पार मोबाइल भी ले उड़े बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नर्मदा एक्सप्रेस के एसी कोच में सफर रही एक महिला का लेडीज पर्स चोरी हो गया। पर्स में मोबाइल फोन और नकदी समेत अन्य सामान रखा हुआ था। इधर सफर के दौरान कई अन्य यात्रियों के मोबाइल फोन और बैग समेत हजारों का सामान चोरी हो गया। जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार भोपाल निवासी हरिनंद्र सिंह अपनी पत्नी राखी सिंह के साथ नर्मदा एक्सप्रेस के एसी कोच में जबलपुर से रानी कमलापति की यात्रा कर रहे थे। राखी ने अपना पर्स केबिन में बनी टेबिल पर रख दिया था। मंडीदीप स्टेशन के पास नींद खुली तो पर्स गायब था। तलाश करने पर राखी का पर्स बाथरूम के पास पड़ा मिला, लेकिन उसके अंदर रखा 14 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन, 7 हजार रुपये नकदी समेत अन्य सामान गायब था। इसी प्रकार सिवनी निवासी प्रमोद कुमार उइके पातालकोट एक्सप्रेस से रानी कमलापति स्टेशन आया था। अगले दिन उसका पेपर था। रात होने के कारण प्रमोद एंट्री गेट के पास मोबाइल फोन को चार्जिंग पाइंट पर लगाकर सो गया। कुछ समय बाद नींद खुली तो मोबाइल चोरी हो चुका था। विदिशा निवासी रवि रघुवंशी ग्वालियर इंटरसिटी एक्सप्रेस के जनरल कोच में भोपाल से विदिशा की यात्रा कर रहा था। ट्रेन चलने के बाद देखा तो का मोबाइल फोन गायब था। मोबाइल के कवर में 7 सौ रुपये नकदी भी रखे हुए थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022